Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 145 | जयपुर, सोमवार, 28 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ:8 मूल्य: ₹1.50

अब होंगी खुशियाँ की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

शाह बोले- 2026 में बंगाल में सरकार बनाएंगे

यहां संगीत की जगह बमों की आवाजें, हमारी 2 सीटें थी, तब भी लक्ष्य 370 हटाना था

■ संजीवनी टुडे

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा आज बंगाल में रवींद्र संगीत की जगह बमों की आवाजें सुनाई दे रही हैं। बंगाल में राज्य सरकार घुसपैठ करा रही है। गाय और कोयले की तस्करी रोकने के लिए पश्चिम बंगाल में एक करोड़ भाजपा सदस्य बनाने होंगे। भाजपा 2026 में दो तिहाई बहुमत से पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगी। जब जनता बंगाल में भारतीय जनता पार्टी से जुड़ेगी, तो बंगाल को कम्युनिस्टों और ममता दीदी के आतंक से मुक्त करने के संकल्प का भी हिस्सा बनेंगे। शाह ने रविवार को कोलकाता में भाजपा के सदस्यता अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम में सुवेंदु अधिकारी और मिथुन चक्रवर्ती भी मौजूद थे। बंगाल में माताओं-बहनों की गरिमा का हनन शाह ने कहा कि बंगाल में माताओं-बहनों की गरिमा का हनन हो रहा है। संदेशखाली में महिलाओं पर हमले और आरजी कर अस्पताल में एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटनाएं इस बात का सबूत हैं। शाह ने पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि मिथुन चक्रवर्ती ने मुझे बताया था कि टीएमसी के कार्यकर्ता भाजपा समर्थकों को वोट नहीं करने देते हैं। टीएमसी ने साल 2021 में जीत की हैट्रिक लगाई थी पश्चिम बंगाल में विधानसभा की 294 सीटें हैं। साल 2021 के चुनाव में टीएमसी ने जीत की हैट्रिक लगाई थी।

लोकसभा चुनाव में बीजेपी को बंगाल में मिलीं 12 सीटें

पश्चिम बंगाल में 19 अप्रैल से लेकर 1 जून तक सभी सात चरणों में मतदान हुआ था। 4 जून को नतीजे आए थे। राज्य की 42 सीटों में तृणमूल कांग्रेस ने 29 सीटें जीती थीं। भाजपा सिर्फ 12 सीटों पर जीत पाई थी। केंद्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने पर सहमति बन गई है। वहीं, लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बना रहेगा। नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में इससे जुड़ा प्रस्ताव लाया जाएगा। राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 23 अक्टूबर को गृह मंत्री अमित शाह और 24 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान उमर ने पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आग्रह किया था। ममता की पार्टी को 213 सीटें मिली थीं। भाजपा को 77 सीटें हासिल हुई थीं। कांग्रेस-लेफ्ट का खाता भी नहीं खुला था। साल 2016 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को 211 सीटें मिली थीं। भाजपा के हिस्से केवल 3 सीटें आई थीं।

जयशंकर बोले- चीन बॉर्डर पर तनाव कम करना अगला स्टेप

भारत-चीन के बीच खड़ाप पर पेट्रोलिंग को लेकर हुए समझौते पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सैनिकों की वापसी पहला कदम है। अगला कदम तनाव कम करना है। मुंबई में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री ने कहा- दोनों देशों के बीच तनाव तभी कम होगा, जब भारत को यकीन न हो जाए कि चीन भी ऐसा ही चाह रहा है। तनाव कम करने के बाद, बॉर्डर को कैसे मैनेज किया जाए, इस पर चर्चा की जाएगी। जयशंकर ने भारत-चीन विवाद के अलावा 26/11 मुंबई अटैक पर भी बात की। जयशंकर ने कहा- उस वक्त भारत ने कोई जवाब नहीं दिया था। जब हम आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं, तो यह स्पष्ट है कि जब कोई कुछ करता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा। हम यह बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे कि आप दिन में व्यापार कर रहे हों और रात में आतंकवाद और मुझे दिखावा करना पड़े कि सब कुछ ठीक है। यह भारत स्वीकार नहीं करेगा। यही बदलाव है। एक दिन पहले शनिवार को पुणे में एक कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा था कि भारत सरकार का अपनी बात पर अड़े रहना काम कर गया। आज हम जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके दो कारण हैं। पहला- हम अपनी बात से पीछे नहीं हटे, यह केवल इसलिए संभव हो सका क्योंकि सेना देश की रक्षा के लिए हर मौके पर डटी रही और कूटनीति ने अपना काम किया। दूसरा- पिछले एक दशक में हमने अपने बुनियादी ढांचे में भी सुधार किया है।

शिवसेना शिंदे की 20 कैंडिडेट की दूसरी लिस्ट

वर्ली से आदित्य ठाकरे के खिलाफ मिलिंद देवड़ा को टिकट, कांग्रेस की चौथी लिस्ट में 14 नाम

■ संजीवनी टुडे

मुम्बई। शिवसेना शिंदे गुट ने रविवार को 20 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। वर्ली से राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा को टिकट दिया गया है। इसी सीट पर उद्धव गुट ने आदित्य ठाकरे को मैदान में उतारा है। इससे पहले 22 अक्टूबर को शिवसेना (शिंदे गुट) ने 45 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कोपड़ी पाचपाखाडी से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, मंत्री उदय सामंत को रत्नागिरी से टिकट दिया गया। सीएम एकनाथ शिंदे ने जून 2022 में तत्कालीन उद्धव सरकार से बगावत की थी। भाजपा के समर्थन से वे मुख्यमंत्री बने। ऐसे में शिंदे के नेतृत्व में यह पहला विधानसभा चुनाव है। इसके अलावा कांग्रेस ने भी चौथी लिस्ट में 14 नामों का ऐलान किया। महायुति में अब तक 231 नाम की घोषणा महायुति में तीन बड़ी पार्टियां हैं, इसमें बीजेपी, शिवसेना शिंदे गुट और एनसीपी अजित गुट शामिल हैं। अब तक बीजेपी ने दो लिस्ट जारी की है जिसमें कुल 121 कैंडिडेट का ऐलान कर दिया है। वहीं शिवसेना शिंदे गुट की दो लिस्ट में 65 उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। वहीं अजित गुट की दो लिस्ट में 45 नामों का ऐलान हो चुका है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की कुल 288 सीटों पर महायुति ने 231 कैंडिडेट उतार दिए हैं। महाविकास अघाड़ी में

अब तक 260 नाम की घोषणा महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट, एनसीपी शरद गुट और कांग्रेस महा विकास अघाड़ी गठबंधन में शामिल हैं। कांग्रेस ने अब तक चार लिस्ट में 99 कैंडिडेट का ऐलान कर दिया है। जिसमें दो सीटों पर कैंडिडेट बदले गए हैं। औरंगाबाद पूर्व से एच. शेवाले (मधुकर काहनाराव देशमुख के स्थान पर), अंधेरी पश्चिम से अशोक जाधव (सचिन सावंत के स्थान पर) को टिकट दिया। बड़ी अलावा एनसीपी शरद गुट ने तीन लिस्ट में 76 उम्मीदवार घोषित किए। वहीं शिवसेना उद्धव गुट ने तीन लिस्ट में 85 नामों का ऐलान किया गया है। महाविकास अघाड़ी में अब तक 260 नामों का ऐलान हो चुका है। सिंगल फ़ेज में 20 नवंबर को चुनाव, 23 नवंबर को रिजल्ट महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को 2024 को खत्म हो रहा है।

मुंबई के बांद्रा टर्मिनस में भगदड़, 10 यात्री घायल

प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर हादसा, गोरखपुर जा रही ट्रेन में चढ़ने के लिए अफरा-तफरी

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। मुंबई के बांद्रा टर्मिनस पर रविवार सुबह मची भगदड़ में 10 यात्री घायल हो गए थे। इनमें से 5 का इलाज चल रहा है, 3 घायलों को छुट्टी दे दी गई है। भाभा अस्पताल के सीएमओ डॉ सुशील के मुताबिक 2 गंभीर घायलों को केईएम अस्पताल रेफर किया गया है। हादसा प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर सुबह करीब 6 बजे हुआ। अधिकारियों ने बताया कि प्लेटफॉर्म पर गोरखपुर-बांद्रा एक्सप्रेस आई थी, उसमें चढ़ने के लिए यात्रियों के बीच भगदड़ मच गई। घायलों की पहचान शब्बीर अब्दुल रहमान (40), परमेश्वर सुखदर गुप्ता (28), रवींद्र हरिहर चुमा (30), रवींद्र प्रसाद प्रजापति (29), संजय तिलकराम कांगे (27), दिव्यांशु यादव (18), मोहम्मद शरीफ शेख (25), इंद्रजीत साहनी (19) और नूर मोहम्मद शेख (18) के रूप में हुई है। इनमें से साहनी और नूर की हालत गंभीर है। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इधर भगदड़ पर शिवसेना यूबीटी के आदित्य ठाकरे ने X पर एक पोस्ट में लिखा- काश कि रील मिनिस्टर एक रेल मंत्री होते। बांद्रा की घटना यही दर्शाती है कि मौजूदा रेल मंत्री कितने अक्षम हैं। बीजेपी ने चुनावों के लिए अश्विनी वैष्णव को बीजेपी महाराष्ट्र का प्रभारी बनाया है, लेकिन हर हफ्ते रेलवे के

साथ कोई न कोई दुर्घटना होती रहती है। यह कितनी शर्म की बात है कि हमारा देश ऐसे अक्षम मंत्रियों के हाथ में है। उधर, सांसद संजय राउत ने भी इस हादसे को लेकर रेल मंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि रेल मंत्री बुलेट ट्रेन में बहुत व्यस्त हैं। इसलिए मुंबई के यात्रियों की अनदेखी कर रहे हैं। जब से केंद्र सरकार का तीसरा कार्यकाल शुरू हुआ है, तब से कम से कम 25 बड़ी रेल दुर्घटनाएं हुई हैं। दिवाली और छठ त्योहारों के कारण, मुंबई से नॉर्थ की ओर जाने वाली ट्रेनों में बहुत भीड़ देखने को मिल रही है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, अंत्योदय एक्सप्रेस ट्रेन में जनरल कैटेगरी के 22 कोच हैं। अंत्योदय एक्सप्रेस को रात करीब 2.45 बजे यार्ड से प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर लाया जा रहा था।

ट्रेन का इंतजार

ट्रेन का इंतजार कर रहे लोगों ने ट्रेन के प्लेटफॉर्म में पहुंचने से पहले ही उसमें चढ़ने की कोशिश की। इस दौरान कोच के सभी दरवाजे अंदर से बंद थे, क्योंकि प्लेटफॉर्म पर रुकने के बाद ही दरवाजे खोले जाते हैं। ट्रेन पर चढ़ने की कोशिश में कुछ लोग दो कोच के बीच में आ गए और प्लेटफॉर्म पर गिर गए। रेलवे सूत्रों का मानना है कि इसी कारण भगदड़ मची। वेस्टर्न रेलवे ने कहा- 130 स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं पश्चिमी रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि दो लोग घायल हुए हैं।

पति के बाद पत्नी बनीं जज

हनुमानगढ़ की राधिका बंसल ने आरजेएस किया टॉप, हाई कोर्ट न्यायाधीश के बेटे का भी हुआ चयन

■ संजीवनी टुडे

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान ज्युडिशियल सर्विस का रिजल्ट घोषित कर दिया है। हनुमानगढ़ की राधिका बंसल ने टॉप किया है। डेंटिस्ट परमा चौधरी ने तीसरी रैंक हासिल की। आरजेएस रिजल्ट के टॉप-10 अभ्यर्थियों में 9 बेटियां शामिल हैं। ओबीसी (नॉन क्रीमीलेयर) कैटेगरी के तनुराग सिंह चौहान ने 187.5 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है। आरजेएस भर्ती में 222 कैंडिडेट पास हुए हैं। इनमें जनरल कैटेगरी में 92 कैंडिडेट, एससी कैटेगरी में 35, एसटी कैटेगरी में 24, वड्ड कैटेगरी में 21, ओबीसी-एमबीसी (नॉन क्रीमीलेयर) कैटेगरी में 45, एमबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) कैटेगरी में 5 कैंडिडेट पास हुए हैं। जयपुर की पूजा मीणा ने 145 रैंक हासिल की है। पूजा की एसटी कैटेगरी में दूसरी रैंक आई है। पूजा ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पंजाब से 2022 में लॉ की डिग्री हासिल की थी। साथ ही जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी से विधि में मास्टर किया था। पूजा ने पहली बार में ही आरजेएस को क्लियर कर लिया। पिता कैलाश चंद मीणा राजस्थान हाई कोर्ट में वकील हैं।

अभ्यर्थियों ने रिजल्ट को सुप्रीम कोर्ट में दे रखी है चुनौती

आरजेएस मुख्य परीक्षा-2024 के करीब 99 अभ्यर्थियों ने रिजल्ट को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे रखी है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि राजस्थान हाईकोर्ट ने आरजेएस मुख्य परीक्षा 31 अगस्त और 1 सितंबर को आयोजित करवाई थी। इसमें करीब 3500 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। हाईकोर्ट ने परीक्षा का परिणाम 1 अक्टूबर को जारी करते हुए इनमें से 638 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए कॉल किया। जिन अभ्यर्थियों को असफल घोषित किया गया, उनमें से अधिकतर अभ्यर्थी ऐसे हैं, जिनके अंग्रेजी के पेपर में 0 से 10 नंबर ही दिए गए। सुप्रीम कोर्ट ने 18 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान राजस्थान हाईकोर्ट से उत्तर पुस्तिका और याचिकाकर्ताओं की आंसर शीट तलब की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जिन याचिकाकर्ताओं के अंग्रेजी विषय के पेपर में जीरो से 15 नंबर आए हैं। उन सभी की आंसर शीट सुप्रीम कोर्ट में पेश की जाए। 21 अक्टूबर को एक बार फिर मामले में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट से उन अभ्यर्थियों के लॉ पेपर के नंबर मांगे, जिनके अंग्रेजी निबंध के पेपर में जीरो से 15 नंबर आए हैं। लॉ फील्ड के एक्सपर्ट सागर जोशी ने बताया कि इस बार एग्जाम में बड़ी संख्या में लड़कियों का चयन हुआ है। न्यायपालिका के लिए और कानूनी शिक्षा के लिए एक शुभ संकेत है।

तेजस्वी सूर्या आयरनमैन चैलेंज पूरा करने वाले पहले सांसद

■ संजीवनी टुडे

साढ़े 8 घंटे में 113 किमी की दूरी नापी, पीएम मोदी ने तारीफ की

पणजी। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने रविवार को आयरनमैन 70.3 चैलेंज पूरा किया। वे यह चैलेंज पूरा करने वाले पहले सांसद हैं। इसके लिए खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी सराहना की। पीएम ने एक्स पर लिखा- सराहनीय उपलब्धि! मुझे यकीन है कि यह कई युवाओं को फिटनेस के लिए प्रेरित करेगा। वहीं, तेजस्वी ने खुद को पीएम मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट से प्रेरित बताया। गोवा में हुए इस ट्रायथलॉन चैलेंज में 2 किमी तैराकी, 90 किमी साइकिलिंग और 21 किमी की दौड़ शामिल थी। पूरे इवेंट के दौरान प्रतिभागियों ने 113 किमी यानी 70.3 मील की दूरी तय की। तेजस्वी ने ये तीनों सेगमेंट 8 घंटे, 27 मिनट और 32 सेकंड में पूरे किए। तेजस्वी साल 2022 में भी इसमें भाग ले चुके हैं। हालांकि, तब उन्होंने सिर्फ 90 किमी का साइकिलिंग सेगमेंट ही पूरा किया था। तेजस्वी कर्नाटक की बेंगलुरु दक्षिण सीट से सांसद हैं। वे भाजपा की यूथ विंग भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। मेंटल और फिजिकल फिटनेस का आखिरी इंतहान तेजस्वी ने एक्स पर लिखा- बड़ी मंजिलों का पीछा करने वाले एक युवा देश के रूप में हमें अपनी फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए। फिट रहने की सिर्फ कोशिश करने भर से आप ज्यादा अनुशासित और कॉन्फिडेंट बनते हैं। इससे आपकी सफलता की संभावना बढ़ जाती है। फिटनेस गोल्स आपकी सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं और आप बेहतर इंसान बनते हैं। यह चैलेंज किसी की सहनशक्ति के साथ ही मेंटल और फिजिकल फिटनेस का आखिरी इंतहान लेता है। पिछले 4 महीने में मैंने अपनी फिटनेस को बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत की। इसे पूरा करने की मुझे खुशी है। 50 देशों के लोगों ने भाग लिया।

जिला अदालतों का इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने की जरूरतः उप राष्ट्रपति धनखड़ बोले

न्यायपालिका महत्वपूर्ण अंग, इसमें सबऑर्डिनेट शब्द का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अगर हमें आमजन को जल्दी और गुणवत्तापूर्णन्याय उपलब्ध कराना है तो हमें हमारे जिला न्यायालयों, मजिस्ट्रेट कोर्ट्स की ओर ध्यान देना होगा। ऊपर की अदालतों (हाई कोर्ट-सुप्रीम कोर्ट) में इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ता जा रहा है, लेकिन हमारे जिला न्यायालयों और मजिस्ट्रेट कोर्ट में जजों और वकीलों के सामने काम करने की भी चुनौती है। उन्होंने कहा कि मैं आग्रह करता हूं कि हमें हमारे जिला न्यायालयों, हमारे मजिस्ट्रेट, हमारे जिला न्यायाधीशों, हमारे युवा वकीलों पर प्रमुखता से ध्यान देना होगा। उप राष्ट्रपति धनखड़ ने यह बात आज दी बार एसोसिएशन जयपुर की ओर से आरआईसी में आयोजित ई-लाइब्रेरी एवं लॉयर्स डायरी-2025 के लोकार्पण कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम के दौरान सीजे एमएम श्रीवास्तव ने जयपुर मेट्रो द्वितीय परिसर के नौ मंजिला भवन के लिए 10 करोड़ रुपए की लागत से एस्केलेटर बनाने की घोषणा की। बार और बैंच में मतभेद तो रहेंगे, पर दूरी नहीं होनी चाहिए। समस्या हमेशा रहेगी। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट हमेशा समस्याओं को हल करने का प्रयास करते हैं, लेकिन सब कुछ उनके हाथ में नहीं है।

कोई न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं, प्रचलित शब्दों में बदलाव जरूरी

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि न्यायपालिका हमारे देश का महत्वपूर्ण अंग है, इसमें सबऑर्डिनेट शब्द की कोई जगह नहीं है। कोई भी न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं होता है। इसमें बदलाव होना चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका पर टिप्पणी करते हुए कहा जब मजिस्ट्रेट या जिला जज फैसला लिखता है उनके मन में शंका रहती है कि मेरे फैसले पर क्या टिप्पणी होगी। वह फैसला उसके भविष्य को निर्धारण करता है। हमें इनके प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्योगपति एवं कॉर्पोरेट समूहों को न्यायालयों के कार्यान्वयन में भी सहायता करनी चाहिए। कॉर्पोरेट्स के पास सीएसआर फंड होता है जिसे उन्हें लोकल कोर्ट में इंवेस्ट करना चाहिए। देश के युवा वकीलों में भी निवेश जरूरी है। उन्होंने वकीलों से कहा कि भारत में डिजिटल लेन-देन अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस व जर्मनी से भी चार गुना है। ऐसे में वकील एआई, मशीन लर्निंग व ब्लॉकचेन का उपयोग कर समय बचाएं और न्याय की गुणवत्ता को बढ़ावा दें। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बार और बैंच के बीच गतिरोध को लेकर कहा कि बार और बैंच दो शब्द जरूरी हैं, लेकिन इनकी आत्मा एक ही है उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब हाई कोर्ट जयपुर बार और मुख्य न्यायाधीश के बीच में गतिरोध बना हुआ है। गुरुवार को हाई कोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर ने मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सीजेआई को शिकायती पत्र लिखा था।

तिरुपति में 2 होटलों को बम की धमकी

3 दिन में 11 होटल्स को फर्जी ईमेल मिले, लखनऊ में भी 9 होटल को फ़ेक थ्रेट

■ संजीवनी टुडे

तिरुपति/लखनऊ। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में दो होटलों को रविवार को बम की धमकी का मेल भेजा गया। इसके बाद दोनों होटलों को खाली कराया गया। बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने होटलों का जांच की, लेकिन कुछ नहीं मिला। तिरुपति के एसपी एल सुब्बारायडु ने कहा कि होटलों की जांच की गई थी। बम की धमकी झूठी निकली। साइबर क्राइम ब्रांच मामले की जांच कर रही है। तिरुपति में बीते 3 दिन में 7 होटलों को बम की झूठी धमकी मिल चुकी है। वहीं, आज ही यूपी के लखनऊ में 9 होटलों को भी बम की धमकी मिली। सुबह 10 बजे होटलों को धमकी भरा ई-मेल आया। इसमें लिखा- आपके होटल के मैदान में काले बैग में बम है। 55000 हजार डॉलर (50 लाख रुपए) भेज दो, नहीं तो बम से उड़ा दूंगा, हर जगह खून फैल जाएगा। बमों को डिफ्यूज करने का कोई भी प्रयास सफल नहीं होगा। बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने सभी 9 होटलों में पहुंचकर जांच की, लेकिन कुछ नहीं मिला। अधिकारियों ने बताया कि बम की धमकी फेक निकली। मामले की जांच कर रहे हैं। होटलों में बम की धमकी का लगातार तीसरा दिन रविवार को बम की धमकी का लगातार तीसरा दिन था। शनिवार को भी तिरुपति और गुजरात के राजकोट में 12 होटलों को बम की धमकी वाले मेल भेजे गए थे। राजकोट में मौजूद 10 होटलों में इंपीरियल पैलेस, सयाजी होटल, सीजंस होटल, होटल ग्रैंड रीजेंसी जैसे फेमस होटल शामिल थे। तिरुपति के राज पार्क होटल और पाई वायसरॉय होटल को भी मेल भेजा गया था। जांच में ये सभी धमकियां गलत साबित हुई थीं। 25 अक्टूबर को 3 होटलों को बम की धमकी मिली तिरुपति के 3 होटलों को बम की धमकी वाले ईमेल 25 अक्टूबर को भी मिले थे। लीलामहल, कपिलतीर्थम और अलीपिरी के पास के 3 होटलों को भी ड्रग माफिया जाफर सादिक से जुड़ा मेल भेजा गया था। सभी होटलों को खाली करवाकर जांच की गई थी।

राहुल गांधी की नाई को मददः पोस्ट में लिखा

गरीब की मुस्कान वापस लाऊंगा, कुछ दिन पहले दिल्ली के एक सैलून पर पहुंचे थे

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने रविवार को दिल्ली में सैलून चलाने वाले अजीत को उनकी दुकान के लिए जरूरी सामान मुहैया कराया। उन्होंने अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अजीत सामान खरीदने जा रहे हैं। राहुल ने अपनी पोस्ट में लिखा, "मेरा भारत के हर गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति से वादा है कि मैं उनके चेहरों पर मुस्कान वापस लाऊंगा।" वहीं, राहुल को धन्यवाद देते हुए अजीत ने कहा कि मैंने नहीं सोचा था कि राहुल गांधी मुझसे मिलेंगे और मेरी मदद करेंगे। मुझे सभी जरूरी सामान मिला है, कोई कमी नहीं रही। राहुल 25 अक्टूबर को उत्तम नगर में अजीत के सैलून पर गए थे। वहां उन्होंने दाढ़ी बनवाने के दौरान अजीत से बातचीत की थी। राहुल ने उसका वीडियो भी X पर शेयर किया था। अजीत ने राहुल से कहा- कांग्रेस के राज में सुकून था अजीत राहुल से कह रहे हैं- पहले सोचा था आगे भविष्य हमारा अच्छा होगा, लेकिन यहीं के यहीं रह गए। हम क्या करें, हम दिव्यांग हैं। जिंदगी ऐसे ही कट रही है। बच्चों का भविष्य अधर में है। आपके राज में हम बहुत खुश थे।

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में दलित परिवार के घर सब्जी बनाई थी

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक दलित परिवार के घर खाना पकाया। खाना बनाने का वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- दलित किचन के बारे में आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। दलित क्या खाते हैं, कैसे पकाते हैं, कोई नहीं जानता। इसका सामाजिक और राजनीतिक महत्व क्या है, इसके बारे में हमने बात की। अगस्त में राहुल गांधी सुल्तानपुर कोर्ट में पेशी के लिए गए थे। लौटते वक्त मोची की दुकान पर रुके थे। राहुल ने वहां चप्पल की सिलाई की। उन्होंने मोची से पूछा था कि जूते कैसे बनाते हो। करीब 5 मिनट बातचीत के बाद राहुल वहां से निकल गए थे। राम चेत ने राहुल से कहा- "मैं गरीब हूं। थोड़ी मदद कीजिए।" इसके बाद राहुल ने रामचेत के लिए सिलाई मशीन भिजवाई थी। जिसकी कीमत 1 लाख रुपए से ज्यादा है। रामचेत इससे जूते-चप्पल की सिलाई करने लगे थे। कांग्रेस के राज में सुकून था। हम जैसे गरीबों को सहारा देने वाला कोई तो है। मुझे राहुल जी से मिलकर बहुत सुकून मिला। राहुल ने लिखा- बढ़ती महंगाई ने मेहनतकश के अरमान छीन लिए वहीं राहुल ने लिखा- नाई से लेकर मोची, कुम्हार से लेकर बढ़ई, घटती आमदनी और बढ़ती महंगाई ने हाथ से काम करने वालों से अपनी दुकान, अपना मकान और स्वाभिमान तक के अरमान छीन लिए हैं।

खबरें फटाफट

खेत में रखी 25 बीघा मक्का कि फसल जलकार हुई राख

■ संजीवनी टुडे

भूपालसागर। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत फलासिया के ग्राम झाझारो का खेड़ा के समीप खेतों में बिजली का तार टूटने से आग लग गई। ग्रामीणों ने मोटर चलाकर आग पर काबु पाया। आग काफी तेज होने से 25 बीघा की मक्का कि फसल देखते ही देखते जलकर हुई राख। करीबन 10 परिवारों पर गिरी गाज। खाने के साथ साथ मवेशियों के मुंह का निवाला भी छीन गया। ईधर सुचना पर उपखण्ड अधिकारी पुनित गैलड़ा ने तहसीलदार अपुर्व गौतम को मोक पर गिरदावर को भेजकर ली जानकारी। गिरदावर गोविन्द छीपा रात्री 7 बजे के करीब पहुंचे मौके पर किसानों एवं महिलाओं ने रो रो कर सुनाई अपनी पीड़ा बोले बिजली के तार टुटने से लगी आग। गिरदावर ने पटवारी कमलेश को मौका पर्चा बनाकर तहसीलदार को सोंपने के दिये निर्देश। ईधर किसानों ने भूपालसागर पुलिस में एवीवीएनएल के खिलाफ लापरवाही करने एवं नुकसान कि भरपाई करने कि दी रिर्पोट। रिर्पोट में किसानों ने 3 लाख के मुआवजे कि मांग की।

निकिता गुप्ता को पीएचडी की उपाधि

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय की ओर से निकिता गुप्ता को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। इन्हें यह उपाधि 'ए वोटिंग क्लासिफायर फ्रेमवर्क फॉर इम्प्रूव्ड परफॉर्मेंस ऑफ सॉफ्टवेयर बाय डिटेक्टिंग फॉल्ट' विषय पर शोध के लिए दी गई। इन्होने शोधकार्य डॉ. रिपु रंजन सिन्हा के निर्देशन में पूरा किया।

बबेली की बेटी ने गोल्ड मेडल लेकर किया नाम रोशन

■ संजीवनी टुडे

रैणी(अलवर)। उपखंड क्षेत्र के ग्राम बबेली निवासी एक बेटी ने बीबीए व एलएलबी के पांच वर्षीय डिग्री कोर्स के दौरान विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया है। जानकारी के अनुसार बबेली निवासी दृष्टि मीना ने अहमदाबाद स्थित कर्णावती विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर बीबीए व एलएलबी की पांच वर्षीय डिग्री की। जिसमें विश्विद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। दृष्टि के प्रथम स्थान पाने पर विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्हें गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। दृष्टि मीना ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता विमलेश मीना व पिता राकेश मीना सहित परिवारजनों को दिया है। दृष्टि की इस उपलब्धि से पूरे परिवार और रिश्तेदारों में खुशी का माहौल है। दृष्टि का सपना मास्टर ऑफ लॉ करके भारतीय न्यायिक सेवा में करियर बनाने का है।

चंदलाई रामसागर बांध पर जेडीए की बड़ी कार्रवाई

■ संजीवनी टुडे

चाकसू । शिवदासपुरा ग्राम पंचायत चंदलाई के रामसागर बांध पर रविवार को जेडीए के द्वारा सरकारी जमीन पर मिट्टी भराव करने के मामले में भू-माफिया पर कार्रवाई की गई है और वही इस दौरान जेडीए के द्वारा बांध पर मिट्टी बराबर बनाई गई पाल थी उसे ध्वस्त किया और वही गौरतलब है कि भू-माफिया के द्वारा बांध की पाल पर लगातार जेडीए की जमीन पर कब्जा किया जा रहा था? और वही इस संबंध में रविवार को कार्यवाही की गई और कार्यवाही के दौरान चाकसू तहसीलदार विपुल सिंह, शिवदासपुरा थानाधिकारी रणजीत सिंह, परिवहन विभाग के तनसुख टांक, जेडीए थाना अधिकारी नरेंद्र खीचड़ सहित कई प्रशानिक अधिकारी मौजूद रहे थे और इस दौरान परिवहन विभाग के अधिकारी तनसुख टांक ने बांध में चलने वाली नाव के फिटनेस के बारे में जानकारी मांगी गई थी और इस पर ठेकेदार ने परिवहन विभाग को बांध में चलने वाली नावों की फिटनेस की 2 दिन में जानकारी उपलब्ध कराने का विश्वास दिलाया? गया है। वही चाकसू उपखंड कार्यालय के कर्मचारी व जेडिया जॉन 14 के कर्मचारी व तहसील के अधिकारी व कर्मचारी और पुलिस जाब्ता भी साथ में मौजूद रहे हैं।

सलुम्बर जिले के ग्रामीणों क्षेत्रों मे मिट्टी के दीपको का आज भी क्रेज बरकरार, चाक ने पकड़ी रफ्तार

आज भी पुरानी परंपरा के अनुसार कुंभकार घर - घर दीपको को करते है वितरित

■ संजीवनी टुडे

सलुम्बर,नितेश पटेल।अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाने वाले दीपावली त्योहार को लेकर कुंभकारों ने दीपक बनाने में गति तेज कर दी है।कुंभकार इन दिनों विभिन्न साइज के दीपक बनाने में लगे हैं।जिले में लगभग लाखों दीपक बनाए जाने का लक्ष्य है।इसके लिए कुंभकार तालाब से मिट्टी लाकर दिए को अन्तिम रूप देने में जुटे हैं।दीपकों का स्थान भले ही चीनी इलेक्ट्रिक झालरों ने ले लिया हो,लेकिन आज भी ग्रामीणों क्षेत्रों मे मिट्टी के दीपों का अपना ही महत्व है। आधुनिकता के दौर में इलेक्ट्रिक झालरों के बढ़ते दौर में मिट्टी से बने दीपों का क्रेज आज भी अलग दिखाई देता है। कुंभकारों का कहना है कि मिट्टी और रंग के बढ़ते दामों के कारण दीपों को तैयार करने वाले इन कारीगरों के व्यवसाय पर भी असर दिखाई पड़ने लगा है। जिले में मिट्टी के बर्तन बनाने के साथ जिलेभर में इन दिनों कुंभकार दिन-रात मिट्टी के दीपक बनाने में जुटे हैं।कुंभकारों का कहना है कि मिट्टी की ट्रॉली जहां पहले रुपए 1500 की आती थी,अब यह 3000 रुपए के करीब आ रही है।

मिट्टी के दीये बना रहे ओड़वाडिया गांव निवासी लालिंग प्रजापत ने बताया कि वह कई साल से यह काम कर रहे है। कई कुंभकार बताते है की एक तरफ मिट्टी महंगी है और दूसरी तरफ बिजली महंगी हो गई है।बिजली के बजाय हाथ के चाक से ही काम चला रहे हैं।कई परिवार के बच्चे अब बाहर जाकर दूसरे काम करने लगे हैं।दिवाली पर ही कमाई होती है।लेकिन महंगी मिट्टी ने हाल खराब कर दिए हैं।बताते है एक दो दिन में दियो की मांग बढ़ने की उमीद है। मिट्टी का सामान्य दीया 2,5 से 20 रुपए,डिजाइनर दीया 50 से 120 रुपए में मिल रहा है।इसके अलावा सिलेण्डर के

आकार का गुल्लक 50 से 300 रुपए,साधारण गुल्लक 20 से 50 रुपए प्रति पीस बिक रहे हैं। गुजरात से भी आ रहे दीये अहमदाबाद से भी दीए व अन्य उत्पाद आने से भी इनके कारोबार पर असर पड़ा है।बाजार में जब से सस्ती चीनो लाइट आने लगी है तो लोगों का रुझान इनकी ओर बढ़ा है।लोग मिट्टी के दीपक नहीं जलाकर घरों में रोशनी के लिए लाइट का उपयोग करते हैं। बताते है की एक कुंभकार के परिवार को पूरे साल दीपावली का इंतजार रहता है।उसके पूरे परिवार को उम्मीद रहती है अबकी बार गुनाफ़े से परिवार को आर्थिक संबल मिलेगा,लेकिन वह हाथ मलते रह जाते हैं। अबकी बार दीपावली पर चायनीज झालरों को खरीदारी नहीं के बराबर है वहीं मिट्टी के दीयों का प्रकाश लोगों को ज्यादा पसंद आ रहा है।पिछले कुछ सालों में मिट्टी के दीयों की मांग एकाएक कम हो गई थी।ऐसे में कुंभकारों की रोजी-रोटी पर भी संकट आ गया था।समय के साथ कुंभकारों ने भी अपनी कारीगरी में बदलाव करते हुए दीयों की फैशनेबल क्वालिटी तैयार करके बाजार में उतारी है। इस बार मिट्टी के दीयों की खरीद को लेकर लोगों में जबरदस्त क्रेज है।कुंभकारों के परिवार भी मिट्टी के दीये बनाने में जुटे हुए हैं।कई कुंभकारों को तो पहले से ही दीयों के ऑर्डर मिल गए हैं।ऐसे में दीपावली पर दीयों की अच्छी बिक्री होने की उम्मीद जताई जा रही है। ज्योतिषाचार्य पण्डित के अनुसार मिट्टी के दीये जलाने का धार्मिक महत्व भी है।पूजा पाठ से लेकर हर जगह मिट्टी के दीयों को शुभ माना जाता है।बुजुर्ग कुंभकारों का दर्द यह भी है कि युवा पीढ़ी इस परंपरागत कार्य में दिलचस्पी नहीं ले रही हैं।जबकि लोग तो अब मिट्टी के बर्तनों के प्रति जागरुक होने लगे हैं। दीपावली पर भारत देश में अनोखी परंपराएं नजर आती है वही सलूंबर जिले के लसाडिया क्षेत्र में एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पुरानी परंपरा चली आ रही है कि यहां पर दीपावली से पूर्व प्रजापत समाज द्वारा मिट्टी से दीपक को तैयार किया जाता है जो प्राचीन परंपरा चली आ रही है उस अनुरूप यह समाज दीपावली से पूर्व ही मिट्टी के दीपक तैयार करता है और अपने-अपने क्षेत्राधिकार में इन दीपकों को लोगों के घर-घर तक वितरित किया जाता है लेकिन शहरी क्षेत्र में लोग आज चीनी उत्पादों उत्पादों एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से अपने घरों को सजाते हैं या मोमबत्ती से सजाते हैं या एक तरह से आत्मनिर्भर बनने एवं भारतीयों को भारतीय वस्तुओं का उपयोग करने का संदेश भी देता है।इस पुरानी परंपरा के अनुसार प्रजापत समाज के लोगों के जीविकोपार्जन का यह साधन भी है जिससे उनका परिवार भी रोजी रोटी भी चलता रहता है।वही इन दीपको से प्रकृति को कोई नुकसान होता है।दीपावली पर भारत देश में अनोखी परंपराएं नजर आती है वही सलूंबर जिले के लसाडिया क्षेत्र में एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पुरानी परंपरा चली आ रही है।

मदन मुनि की 71 वी दीक्षा जयंती मनाई

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। श्रमण संघ प्रवर्तक युवा मनीषी परम पूज्य गुरुदेव श्री कोमल मुनि जी करुणाकर एवं नव दीक्षित सेवाभावी हर्षित मुनि जी के सानिध्य में मेवाड़ प्रवर्तक भोले बाबा पूज्य गुरुदेव मदन मुनि जी महाराज साहब की 71वीं दीक्षा जयंती मनाई गई यह जयंती श्री अंबेश गुरु कृष्ण महावीर गौशाला मंगलवाड में मनाई गई गुरुदेव नव दीक्षित हर्षित मुनि जी द्वारा नवकार महामंत्र के साथ उत्तराध्यन सूत्र की विवेचना की गई प्रवचन में गुरुदेव श्री कोमल मुनि जी करुणाकर ने मदन मुनि जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की उनका जन्म लावा सरदारगढ़ में हुआ था बचपन में माताजी का देहांत हो चुका था गांव में गुरूवर्या श्री प्रेमवती जी महाराज साहब के चातुर्मास में धर्म के प्रति ऐसी रुचि जागृत हुई की दीक्षा की भावना प्रबल हो गई आखिरकार 21 वर्ष की उम्र में गुरुदेव श्री मोतीलाल जी महाराज साहब एवं अम्बालाल जी महाराज साहब के पास मोलेला में संयम ग्रहण कर लिया प्रवचन में गुरुदेव श्री कोमल मुनि जी करुणाकर ने गाय की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गाय को माता का दर्ज़ा दिया गया क्योंकि उसमें 36 करोड़ देवता के निवास के साथ ही उनका मुंह सुबह देख लेने से पूरा दिन मंगलमय हो

जाता है इसलिए हर एक परिवार में गाय को एक सदस्य के रूप में रखना चाहिए अध्यक्ष बसंती लाल जी सिसोदिया एवं श्री संघ द्वारा गौशाला के सभी पदाधिकारी का संघ द्वारा उपरना व शाल ओढ़ाकर स्वागत किया गया गुरुदेव श्री कोमल मुनि जी करुणाकर द्वारा मनीष जी सिसोदिया को महातीर्थ श्री अंबेश गुरु जन सेवा ट्रस्ट के महामंत्री के पद पर सुशोभित किया गया उसके बाद तातेड परिवार की ओर से व अंबेश सौभाग्य युवा मंडल द्वारा लकी ड्रा का आयोजन किया गया जिसमें तातेड परिवार द्वारा फ्रिज वाशिंग मशीन एवं मिक्सर ग्राइंडर रखा गया व अंबेश सौभाग्य युवा मंडल की ओर से 15 इलेक्ट्रिक प्रेस का लकी ड्रा खोला गया उपरोक्त सभी कार्यक्रम में वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अंबेश सौभाग्य नवयुवक मंडल ,व जैन युवा संघ के सभी पदाधिकारी व सदस्य सहित बाहर से पधारे हुए श्रावकगण उपस्थित थे।

पारसोली थाना पुलिस द्वारा शराब माफिया के विरुद्ध कार्यवाही, मारुति वेन में शराब की तस्करी, 18 कार्टून देशी व अंग्रेजी शराब जप्त

अवैध शराब के परिवहन में प्रयुक्त एक मारुति वेन जप्त व एक आरोपी गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिले की पारसोली थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान शराब माफिया के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए एक मारुति वेन में शराब की तस्करी करते एक आरोपी को गिरफ्तार कर वेन से 18 कार्टून देशी व अंग्रेजी शराब जब्त की है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय जयपुर, राजस्थान द्वारा मादक पदार्थो के विरुद्ध कार्यवाही, कच्ची शराब के उत्पादन व विक्रय एवं वांछित अपराधियों गिरफतारी हेतु चलाये गए विशेष अभियान अन्तर्गत अवैध रुप से शराब का परिवहन करने वाले शराब माफियाओं पर प्रभावी कार्यवाही के मध्यनजर एएसपी रावतभाटा भगवत सिंह एवं डीएसपी बेगू अंजलि सिंह के निर्देशन में थाने के एएसआई गोविन्द सिंह के नेतृत्व में कानि मनोज, प्रितम, मोतीलाल, भोमाराम द्वारा शराब तस्करी के मार्गो को

चिन्हित करते हुए निमोदा से झाडौल आने जाने वाले कच्चे रास्ते पर नाकाबंदी कर निगरानी रखी गई। इसी दौरान काटून्दा की तरफ से एक व्यक्ति मारूती वेन लेकर आया। मारुति वेन को रुकवाकर संदिग्ध होने पर तलाशी ली गई तो मारुति वेन में भरे खाकी रंग के कार्टूनो में देशी व अंग्रेजी शराब होना पाया। मारुति वेन से शराब के कार्टूनो को बाहर निकालकर गिनती की गई तो कुल 18 कार्टूनो में देशी व अंग्रेजी शराब व बीयर भरी हुई पायी गई। उक्त अवैध शराब व मारुति वेन को जब्त कर आरोपी बेगूं थाने के सेमलिया निवासी प्रहलाद मेवाडा पुत्र मदन लाल मेवाडा को गिरफ्तार किया गया। आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर गिरफ्तार आरोपी से अवैध शराब की उपलब्धता के संबंध में अनुसंधान जारी है।

राजस्थान आदिवासी महासभा द्वारा किया गया नवनिर्मित कक्ष का उदघाटन

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजस्थान आदिवासी महासभा उदयपुर के सेक्टर 14 में स्थित महासभा भवन परिसर में कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा आपसी सहयोग से एक कक्ष का निर्माण किया गया । नवनिर्मित कक्ष का उदघाटन सभा के संरक्षक श्री एस एल परमार के कर कमलों द्वारा किया गया ।कक्ष का उपयोग विभिन्न जनहित कार्यों में लिया जाएगा । महासभा भवन में आयोजित हुए समारोह में महासभा के सचिव डॉ दिनेश ख़राडी को भी पिछले दिनों में जवाहर कला केन्द्र जयपुर में रोमा यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित समारोह में केंद्र सरकार एवं राजस्थान सरकार के माननीय मंत्रीगण द्वारा उनको प्रदान किए गए ''अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सम्मान '' के लिए सम्मानित किया गया । समारोह की अध्यक्षता श्री सोमेश्वर मीणा द्वारा की गयी । समारोह में महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री राकेशजी हीरात , उपाध्यक्ष श्री शंकरलाल तावड़,उपाध्यक्ष डॉ महेंद्र परमार, कोषाध्यक्ष श्री नारायण लाल डामोर ,डॉ लाल शंकर डामोर,श्रीमती रुक्मणी कलासुआ,श्रीमती लक्ष्मी अहोडा,श्री सोहनलाल फलेजा, श्री शोभित पाण्डोर, श्री राजेश मीणा, तनीषा ख़राडी एवं चित्रांश ख़राडी उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन महासभा के महासचिव श्री सी एल परमार ने किया । धन्यवाद वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री राकेश जी हीरात ने किया ।

वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी में जिला पुलिस की एक और बड़ी कार्यवाही

जिले भर में दबिश देकर 236 आरोपी गिरफ्तार, 08 प्रकरण आबकारी व एक प्रकरण आर्म्स एक्ट के दर्ज किया

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिला पुलिस ने वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी व एरिया डोमिनेंश के लिए दो दिवसीय विशेष अभियान चलाकर शनिवार व रविवार तड़के जिले के समस्त पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों की 150 विशेष टीमों द्वारा विभिन्न संदिग्ध स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई करते हुए पुनः दो दिन में कुल 236 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। वहीं दबिश की कार्यवाही के दौरान तीन प्रकरण मादक पदार्थों की तस्करी, 8 प्रकरण अवैध शराब के एवं 01 प्रकरण आर्म्स एक्ट में दर्ज कर 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी एवं एरिया डोमिनेंस के लिए पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर एक विशेष अभियान शनिवार व रविवार तड़के संपूर्ण जिले में चलाया गया। जिसमें जिले के चित्तौड़गढ़, गंगरार, कपासन, बेगू, रावतभाटा, बड़ीसादड़ी, निम्बाहेड़ा व भदेसर वृत्त के समस्त वृत्ताधिकारी एवं थानाधिकारियों के नेतृत्व में कुल 150 विशेष टीमें गठित की गई। जिसमें समस्त थाना, पुलिस लाइन के जाब्ता व कार्यालयों के पुलिस कर्मियों को एकत्रित किया गया।

शनिवार व रविवार तड़के कुल 724 पुलिस कर्मियों द्वारा जिले के 623 संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी गई, जहां से विभिन्न मामलों में वांछित चल रहे स्थाई वारंटी, गिरफ्तारी वारंटी, उदघोषित अपराधी, धारा 299 सीआरपीसी में वांछित, विभिन्न प्रकरणों में वांछित एवं अन्य अधिनियमों में कुल 236 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनमें विभिन्न एक्ट व जघन्य अपराधों में 21 अपराधी, स्थाई वारंटी/उदघोषित अपराधी/धारा 299 सीआरपीसी में वांछित/गिरफ्तारी वारंटी में 129 अपराधी, ईनामी 1 अपराधी, सामान्य प्रकरणों में वांछित 33 अपराधी सहित कुल 236 अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं। जिसमें सबसे अधिक निम्बाहेड़ा वृत्त में 42 अपराधियों को दबोचा गया। उक्त कार्रवाई के दौरान जिले में पुलिस द्वारा तीन प्रकरण एनडीपीएस एक्ट के दर्ज कर 54 किलो अवैध डोडाचूरा व 4 ग्राम स्मैक जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, 8 प्रकरण आबकारी अधिनियम में दर्ज कर 29 लीटर अवैध कच्ची शराब जब्त कर 2100 लीटर वाश नष्ट कर 08 आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा 1 प्रकरण आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

भूपालसागर डेम कि जल वितरण कि बैठक रही हंगामेदार

■ संजीवनी टुडे

भूपालसागर। भूपालसागर डेम कि जल वितरण कि बैठक सिंचाई विभाग के डाक बंगले पर अतिरीक्त जिला कलेक्टर विनोद मलहोत्रा, अधिशाषी अभियन्ता राजकुमार शर्मा, तहसीलदार अपुर्व गौतम, पुलिस जाब्ता, पटवारी, स्थानीय सरपंच प्यारचन्द भील, उपसरपंच विजय अग्रवाल, सहायक अभियन्ता एवं कनिष्ट अभियन्ता कमान्ड क्षेत्र के काश्तकार उपस्थित रहे। रबी की फसल सिंचाई हेतू जल वितरण समिति की आम बैठक जिला कलेक्टर आलोक रंजन के निर्देशानुसार एंव जल संसाधन खण्ड चितौड़गढ़ अधिशाषी अभियंता आर के शर्मा के अनुसरण मे आयोजित हूई। बैठक मे बांध का गेज, उपयोगी भराव क्षमता व नहरो के सील लेवल सम्बन्धित चर्चा हुई। बैठक में जल वितरण को लेकर काफी हंगामा रहा।कमान्ड क्षेत्र के काश्तकारों ने डैम को जीरो लेवल तक पानी छोड़ने की बात पर अड़े रहे। भूपालसागर उपसरपंच विजय कुमार अग्रवाल ने पीने के लिए डेढ़ फीट पानी आरक्षित रखने की जिद्द की जिस पर एडीएम मलहोत्रा ने सभी से समझाईश कि काफी मंथन के बाद सर्वसम्मति सर्वसम्मति से दिनांक 5 नवम्बर को नहर नम्बर 5, दिनांक 6 नवम्बर को नहर नम्बर 4, दिनांक 7 नवम्बर को नहर नम्बर 2 , व दिनांक 8 नवम्बर को नहर नम्बर 3 खोलने की तिथि तय की गई। इसी क्रम मे कास्तकारो ने निर्णय लिया की प्रथम पिलाई हो जाने के बाद बांध मे शेष रहे पानी को बीस दिन के अन्तराल बाद दूसरी पिलाई हेतु नहर पूनः खोली जायेगी। पीएचईडी विभाग द्वारा पीने के पानी को आरक्षित रखने की मांग की जिस पर 1.50 फीट पानी आरक्षित रखने की सहमति रही।

सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने किये सुंधामाता के दर्शन

पहाड़पुरा में देशकंवर के निधन पर परिवारजनों को दी सांत्वना

■ संजीवनी टुडे

भीनमाल। सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर पहाड़पुरा ग्राम पहुँचें जहाँ उन्होंने रानीवाड़ा के पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल के बड़े भाई चामुंडामाता ट्रस्ट के अध्यक्ष ईश्वर सिंह देवल की धर्मपत्नी देश कंवर के निधन पर शोक संवेदना प्रकट कर परिवारजनों का सांत्वना दी।इस दौरान राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग,सांसद लुम्बाराम चौधरी, आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, सिवाना विधायक हमीरसिंह,पिंडवाड़ा विधायक समाराम गरासिया, भीनमाल के पूर्व विधायक पूराराम चौधरी,भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव, सांवलाराम देवासी, जितेंद्रसिंह देवल, महिपालसिंह देवल सहित कई लोग उपस्थित रहे।इस दौरान राज्यपाल माथुर ने रामसीन में आपेश्वर महादेव के भी दर्शन किये पहाड़पुरा से रवाना होकर राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर सुंधामाता मंदिर पहुँचे जहाँ उन्होंने सुंधा माता के दर्शन किए तथा पूजा- अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

सुंधामाता रोप-वे एमडी सुरेन्द्र बंसल, मैनेजर प्रहलादराय अग्रवाल ने राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर का स्वागत किया गया।

इस दौरान राज्यपाल माथुर रोपवे के माध्यम से सुंधा माता पर्वत पहुँचे।जहां वो इलेक्ट्रॉनिक गाड़ी में बैठकर मंदिर परिसर पहुँचे। सुन्धा माता मंदिर पहुँचने पर सिक्किम के ओमप्रकाश माथुर का सुन्धा माता ट्रस्ट व जनप्रतिनिधियों द्वारा साफा,माल्यार्पण व पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। सुन्धामाता मंदिर स्थल पर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग,सांसद लुम्बाराम चौधरी, जिला प्रमुश राजेश कुमार,आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित,सांचौर विधायक जीवाराम चौधरी, सिवाना विधायक हमीरसिंह, भीनमाल के पूर्व विधायक पूराराम चौधरी, रानीवाड़ा के पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल, रेवदर के पूर्व विधायक जगसीराम कोली, सांचोर विधायक जीवाराम, श्रवणसिंह राव, सांवलाराम देवासी, रानीवाड़ा प्रधान राघवेन्द्र सिंह देवड़ा, पूर्व जिला प्रमुख वन्नेसिंह गोहिल, चिरंजीलाल दवे मौजूद रहे. इस दौरान चामुंडा माता की ओर से साफा एंव माला पहनकर स्वागत किया गया। इस दौरान पूरणसिंह गजापुरा, शंभूसिंह देवल, सम्पतराज अग्रवाल, प्रदीपसिंह मालवाडा, रूपाराम देवासी, व्यवस्थापक जितेंद्रसिंह राठौड़, देवेंद्रसिंह, गोपालसिंह, हड़मतसिंह, यशपालसिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

त्योंहारी सीजन में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा की गई नमुनीकारण और नष्टीकरण की कार्यवाही

■ संजीवनी टुडे

चाकसू । उपखंड क्षेत्र में डॉ जितेंद्र कुमार सोनी जयपुर जिला कलेक्टर के द्वारा गठित विशेष खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा डॉ हंसराज भदालिया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के निर्देशन में चाकसू कस्बे में विभिन्न खाद्य निर्माता फर्म्स पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा निरीक्षण और नमुनीकरण की कार्यवाही की गई थी और वहीं चाकसू में खंडेलवाल मिष्ठान भंडार से मावा की मिठाई चॉकलेट बर्फी पनीर काजू कतली श्री जोधपुर मिष्ठान भंडार फागी मोड चाकसू से कलाकंद मावा मिठाई, जोधपुर स्वीट्स कोटखावदा मोड से खीरमोहन पनीर और कलाकंद मावा मिठाई के नमूने लिए गए यहां से लगभग 50 किलो दूषित और पुराना मिल्क केक नष्ट करवाया गया और वहीं साफ सफाई व्यवस्था अत्यंत दयनीय थी जगह-जगह मकड़ी के ज?ले लगे हुए थे इसको साफ सफाई रखने के लिए पाबंद किया गया तथा इंप्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया और भगवती जोधपुर मिष्ठान भंडार मोड चाकसू से आटे के लड्डू मिश्री मावा और फीका मावा तथा ओम सती जोधपुर मिष्ठान भंडार कोथून मोड से कलाकंद तथा मूंग के लड्डू का नमूना लिया गया और वहीं इस दुकान से भी लगभग 50 किलो सुखी एवं पुरानी मिठाइयां नष्ट करवाई गई थी और उक्त सभी नमूनों को जांच के लिए खाद्य विश्लेषण

प्रयोगशाला भिजवाया गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात तदनुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम एवं विनियम 2011 के अनुसार आगे की दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी और वही इस दौरान मिष्ठान कारोबारियो को मिठाईयो को ढककर रखने और साफ सफाई रखने और मिठाईयों में कृत्रिम रंगो के उपयोग नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई थी और जरुरी होने पर एफ एस एस आई द्वारा मान्यता प्राप्त फूड कलर निर्धारित मात्रा में ही उपयोग करने की सलाह दी गई है और वही अनवरत चलने वाले इस अभियान के तहत मिलावटख?री करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने एवं आमजन को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु दीपावली पर्व पर विशेष तौर पर रोज इस तरीके की कार्यवाही जारी रहेगी और वही इस समस्त कार्रवाई में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के खाद्य सुरक्षा अधिकारी , दीपक कुमार सिंधी एवं राजेश कुमार नगर भी साथ में मौजूद रहे हैं।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बाल साहित्य की महत्ती आवश्यकता

■ संजीवनी टुडे

15 वां राष्ट्रीय बाल साहित्यकार सम्मेलन

उदयपुर। राजस्थान साहित्य अकादमी एवं सलिला संस्था, सलूंबर के संयुक्त तत्वावधान में 15 वां राष्ट्रीय बाल साहित्यकार सम्मेलन -2024 विज्ञान समिति सभागार में देवपुत्र के संपादक गोपाल माहेश्वरी की अध्यक्षता में रश्मि वार्ष्णेय के मुख्य आतिथ्य एवं अहमदाबाद की कुमुद वर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। मंचस्थ अतिथियों ने 'बाल साहित्य फलक पर अंतरिक्ष' विषय पर बीज वक्तव्य प्रस्तुत किए। शकुंतला सरुपरिया द्वारा प्रस्तुत ईश वंदना के बाद सलिला संस्था की अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ.विमला भंडारी ने आगंतुकों का स्वागत किया। अपने उद्बोधन में डॉ विमला भंडारी ने कहा कि बाल साहित्य लेखन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए नई पीढ़ी की पौधशाला है। प्रथम सत्र उद्घाटन, लोकार्पण, पुरस्कार सम्मान एवं समीक्षा का रहा। साहित्य में

उल्लेखनीय योगदान के लिए इंदौर के गोपाल माहेश्वरी, कोटा की प्रज्ञा गौतम, अहमदाबाद की मल्लिका मुखर्जी एवं मुंबई की पूनम अहमद को सलिला साहित्य रत्न सम्मान प्रदान किया गया। सम्मानित रचनाकारों ने अपने लेखकीय अनुभव के उद्बोधन से सबको लाभान्वित किया। इसके अलावा सलिल प्रवाह, बच्चों के ज्ञानवर्धक आलेख, मस्तानों की टोली, मधुबन की सरस कहानियां एवं बेटी की अभिलाषा पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। अपने उद्बोधन में देवपुत्र के संपादक एवं मुख्य अतिथि गोपाल माहेश्वरी ने कहा कि बाल साहित्य लेखन के लिए सृजनात्मकता के साथ-साथ भावनात्मकता का होना आवश्यक है। इस सत्र का संचालन शकुंतला सरुपरिया ने किया।

पत्रवाचन एवं परिचर्चा सत्र में बाल साहित्य में आलेखः क्यों और कैसे विषय पर गाजियाबाद के रजनीकांत शुक्ल ने पत्रवाचन किया। सत्र की अध्यक्षता डॉ जयप्रकाश पंड्या ज्योतिपुंज ने की। मुख्य अतिथि डॉ. लता अग्रवाल थीं। परिचर्चा में तरुण कुमार दाधीच एवं शकुंतला पालीवाल ने अपने विचार व्यक्त किये। संचालन प्रकाश तातेड़ ने किया। सलिला की ओर से आलेख प्रतियोगिता के विजेताओं प्रथम वर्ग में रघुराज सिंह कर्मयोगी, द्वितीय वर्ग में प्रथम रश्मि वार्ष्णेय एवं डॉ. लता अग्रवाल, तृतीय वर्ग में आकांक्षा दत्ता एवं दिवाकर राय, चतुर्थ वर्ग में यशपाल शर्मा एवं डॉ. शील कौशिक रहीं। पंचम वर्ग में डॉ. इंदु गुप्ता एवं नीना छिब्बर को पुरस्कृत किया गया। समीक्षा एवं समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ मंजु चतुर्वेदी ने की। मुख्य अतिथि डॉ शील कौशिक एवं विशिष्ट अतिथि दिनेश पांचाल थे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ मंजु चतुर्वेदी ने कहा कि बाल साहित्य की समीक्षा मानक मानदंड के अनुसार होनी चाहिए। बच्चों के ज्ञानवर्धक आलेख की समीक्षा डॉ इंदु गुप्ता ने, मधुबन की सरस कहानियां की समीक्षा डॉ. गोपाल राजगोपाल ने की। यशपाल शर्मा यशस्वी ने मस्तानों की टोली की समीक्षा की। इस भव्य समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से आए बाल साहित्यकारों ने भाग लिया। नगर के साहित्यकारों में डॉ गोपाल राजगोपाल, तरुण कुमार दाधीच, शकुंतला पालीवाल, किरण बाला किरन, श्याम मठपाल, अशोक जैन मंथन, प्रतिज्ञा भट्ट, अंजलि पंड्या, कुंतल अग्रवाल, मंगल कुमार जैन, पाखी जैन, पूर्वी पोरवाल, मुकेश राव, शांतिलाल शर्मा आदि इस अवसर पर उपस्थित रहे। धन्यवाद जगदीश भंडारी ने ज्ञापित किया।

गुरूकुल डिफ़ेन्स एकेडमी में ट्रेनिंग के लिए चयन ट्रायल कैम्प का समापन

रक्षा सेनाओं में जाने के इच्छुक युवक-युवतियों को देंगे मार्गदर्शन

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। गुरुकुल डिफेंस एकेडमी में तीन दिवसीय ट्रायल कैम्प का समापन रविवार को हुआ। कैम्प में रक्षा सेवाओं में जाने के इच्छुक युवक-युवतियों ने खासा उत्साह दिखाया। मेवाड़, वागड़, मेवल और गोडवाड़ क्षेत्र से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंचे। एकडेमी निदेशक दिनेश माली ने बताया कि कर्नल रजत त्यागी, सूबेदार जेपी त्यागी, काउंसलर डॉ रजनी त्यागी, सूबेदार भंवर सिंह, नरसिंह सिंह, बीएसएफ के सुनील सिंह कैम्प ने पहुंचे युवक युवतियों की ट्रायल ली। ट्रायल में 25 अक्टूबर को 28, 26 को 38 तथा अंतिम दिन रविवार को 114 युवक-युवतियों ने भाग लिया। अभ्यर्थियों को 1600 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप व अन्य आवश्यक गतिविधियां करवाई गई एवं सभी का मेडिकल चेकअप किया गया। कुल 180 अभ्यर्थियों में से 9 अभ्यर्थी

ट्रायल में फ़ेल हुए बाकी 171 योग्य का चयन किया गया। उक्त अभ्यर्थियों की विधिवत मार्गदर्शन ट्रेनिंग 18 नवम्बर से प्रारंभ होगी। इससे पूर्व 8 से 17 नवंबर तक बुधल, लालपुर स्थित गुरूकुल परिसर में रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया होगी। ट्रेनिंग में भारतीय सेना, अग्नि वीर, अर्ध सैनिक बल, भारतीय पुलिस और राजस्थान पुलिस को लेकर शारीरिक ओर मेडिकल ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रेनिंग प्राप्तकर्ता अभ्यर्थियों को भर्ती निकलने पर गुरुकुल डिफेंस अकादमी द्वारा निशुल्क फॉर्म भरवा जाएंगे, तत्पश्चात उन्हें लिखित परीक्षा की अलग से दो माह की तैयारी करवाई जाएगी। ट्रायल कैंप का समापन समाज सेवी हरि सिंह चौहान के आतिथ्य में हुआ।

ट्रांस वेलफ़ेयर सोसाइटी ने विशेष बच्चों के साथ मनाया दिवाली उत्सव

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। ट्रांस वेलफ़ेयर सोसाइटी ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दिवाली 2024 का उत्सव विशेष बच्चों के साथ मनाया । इस खास मौके पर ट्रांस वेलफ़ेयर सोसाइटी की मुख्य संरक्षक निर्मला सेवानी और डॉ. पूजा अग्रवाल ने बच्चों के साथ मिलकर खुशियों को साझा किया। बच्चों और अतिथियों के साथ मस्तीभरे गीतों पर परफोर्मेंस दी जिसमें बच्चों को दिवाली के उपहार और मिठाइयाँ वितरित की गईं।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथी जयपुर की सांसद मंजू शर्मा , अमरनाथ महाराज (श्री हनुमान चालीसा प्रबंध समिति संरक्षक), रानीसा भुवनेश्वरी (राव राजेंद्र सिंह सांसद की पत्नी) ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विशिष्ट अतिथि के रूप में 2 मिलियन फॉलोअर्स वाले यूट्यूबर जट्ट प्रभजोत, साहिबा, सोमेन्द्र हर्ष, कमलजीत सिंह, अंशु हर्ष, शिल्पी भार्गव, डॉ. सीमा राठौड़, जया राठौड़, मनोज पांडे, शिवाकांता पांडे, अप्लव सक्सेना, नीलम सक्सेना, पूनम राठौर, सुनीता मीणा, और दिव्या सिंह शामिल रहे।

इसके अलावा कार्यक्रम में अमरनाथ महाराज ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ करवाया, जिससे वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भर गया। ट्रांस वेलफ़ेयर सोसाइटी की अध्यक्ष कोमल चौहान ने बताया कि उनकी संस्था पिछले 12 वर्षों से विशेष बच्चों के लिए कार्य कर रही है। संस्था की संरक्षक डॉ. पूजा अग्रवाल ने कहा कि बच्चों की परफॉर्मेंस देखकर ऐसा लगा ही नहीं कि वे बधिर हैं; सभी ने पूरी ऊर्जा, जोश और मुस्कान के साथ नृत्य किया और उत्सव का आनंद लिया।

कार्यक्रम में भाव नृत्य कला अकादमी की छात्राओं ने राजस्थानी लोक नृत्य की प्रस्तुति के साथ स्पेशल बच्चो ने भी मनमोहक प्रस्तुतियां दी अध्यक्ष कोमल चौहान ने कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बताते हुए कहा कि इसका मकसद बच्चों को खुशियाँ देना है, ताकि वे भी दिवाली की खुशी वैसे ही महसूस कर सकें जैसे अन्य सभी लोग करते हैं। बच्चों के लिए डांस प्रोग्राम, लजीज व्यंजन, उपहार में स्कूल बैग्स, टिफ्फीन, बॉक्स, चॉक्लेट, स्टेशनरी, लड्डू, गेम्स, मिठाइयाँ, पटाखे आदि उपहार दिए गए और साथ ही दीपक जलाकर रोशनी से भरी दिवाली मनाई गई, कार्यक्रम में 150 बच्चो को उपहार दिए गए साथ ही बच्चो के लिए मैजिक शो एवं मिनी मिक्की माउस ने जमकर घूम मचाया !! इस सुंदर और भावपूर्ण कार्यक्रम का संचालन अप्लव सक्सेना ने किया , जिसमें सभी बच्चों ने अपनी मासूमियत और खुशियों से सबका दिल जीत लिया। इस दिवाली ने साबित किया कि खुशियाँ बांटने से ही खुशियाँ बढ़ती हैं, और बच्चों की मुस्कान से सजी यह दिवाली सभी के लिए यादगार बन गई। कार्यक्रम का एकमात्र उद्देश्य बच्चो को खुशिया देने से है।

खाद्य पदार्थों में मिलावट का खेल जारी, स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)। राजगढ़ उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोलाकाबास में लगभग 20 मिठाइयों की दुकानों सहित दूध मावे पनीर के बेधड़ल्ले से त्यौहार के सीजन में मिलावटखोरों का कारोबार चल रहा है जिसकी सूचना जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को बार बार अवगत भी करवा दिया गया लेकिन स्वास्थ्य विभाग सहित जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से प्रतिष्ठानों एवं कारखानों पर निरीक्षण, जांच, सैंपल की कारवाई तक नहीं। जबकि साल भर यह मिलावट का खेल खुलेआम चलता है।

बावजूद इसके सरकारी विभागों की इन कारखानों पर कभी कार्रवाई नहीं होती है। यही कारण है कि दिनों-दिन इस कारोबार में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। त्यौहार आते ही खानापूर्ति के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सैंपल भरते हैं लेकिन गोलाकाबास में चल रही मिठाइयों की दुकानों व कारखानों पर खानापूर्ति तक नहीं, विभाग की सुस्त रफ्तार और ढुलमुल रवैये के चलते मिलावटखोरों में सरकार का डर समाप्त हो चुका है। इसलिए ये लोग खुलेआम खाद्य पदार्थों में मिलावट कर रहे हैं जबकि मिलावटी मिठाइयां और दूध आम लोगों को बीमार करता हैं। इससे लोगों के किडनी, लीवर, हॉट सहित कई गंभीर बीमारियां होने का खतरा रहता है। जिले के विभिन्न हिस्सों में दर्जनों भट्टियां लगी हुई हैं लेकिन विभाग का इस तरफ कोई ध्यान नहीं है। विभाग के अधिकारी केवल खानापूर्ति करने में लगे हुए हैं जबकि गांवों में तो खानापूर्ति तक भी नहीं।

केंद्रीय विधि मंत्री मेघवाल उदयपुर में

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। केंद्रीय विधि एवं न्याय तथा संसदीय कार्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल दो दिवसीय प्रवास पर उदयपुर आ रहे हैं। मेघवाल रविवार देर शाम वायुयान से उदयपुर पहुंचेंगे। यहां स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेकर रात्रि विश्राम सर्किट हाउस में करेंगे। अगले दिन 28 अक्टूबर को सुबह 7 बजे सड़क मार्ग से जालोर के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां विविध कार्यक्रमों में भाग लेकर शाम 5 बजे डबोक एयरपोर्ट पहुंचकर वायुयान से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

महिला बंदियों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश गुप्ता के निर्देशन में दशहरा-दीपावली मेले में महिला बंदी सुधार गृह उदयपुर की ओर से प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रभारी दिव्या चौधरी की पहल पर महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की प्रदर्शनी के प्रति मेलार्थियों का आकर्षण बरकरार है। चौधरी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में फूलों से बनी आर्गेनिक अगरबत्तियां, मुरब्बा, अचार, मिट्टी के दीपक, रोटी कवर, बैग, पोटलिया, पाउच आदि के प्रति मेलार्थियों का विशेष आकर्षण देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उत्पाद तैयार कराने में राकेश सोमानी, राधिका सोमानी, मधु मेघवाल सहित स्टाफ का विशेष सहयोग रहा है।

राज्य सरकार की मंशा पशुपालकों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना: जोराराम कुमावत

पशुपालन मंत्री किया पशुपालन विभाग परिसर का अवलोकन, पौधरोपण किया

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। पशुपालन, देवस्थान और गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने रविवार को उदयपुर प्रवास के दौरान चेतक सर्कल स्थित पशुपालन विभाग परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार पशुपालन के प्रति सजग, सतर्क है एवं उनके उत्थान के लिए कटिबद्ध है। यही कारण हैं कि राज्य सरकार द्वारा पशुपालकों के हितार्थ विभिन्न प्रकार के कार्य कियान्वित किए जा रहे है। वर्तमान में टोल फ्री नम्बर 1962 के माध्यम से दूर दराज क्षेत्र के पशुपालकों के पशुओं के उचित उपचार, टीकाकरण, डीवर्मिंग जैसे सुविधाएं घर बैठे उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पशुपालन मंत्री कुमावत ने विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सोर्टेड सीमन के माध्यम से आदिवासी क्षेत्र के पशुपालको के पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान का कार्य कर उन्हें पूर्ण रूप से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। पशुपालन परिसर में उपचार के लिए

लाए पशुओं के पशुमालिकों से विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। अतिरिक्त निदेशक डॉ. शरद अरोड़ा, उपनिदेशक डॉ. सुरेन्द्र छंगाणी, डॉ. लज्जाराम मीणा, डॉ. सुरेश जैन, डॉ. ओम प्रकाश साहू डॉ. पदना मील, डॉ. सुरेश शर्मा, डॉ. बंसल आदि ने पशुपालन परिसर में पशुपालन विभाग द्वारा कियान्वित किए जा रहे कार्यों और योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने पशुपालन विभाग परिसर में पौधरोपण किया। साथ ही उन्होंने संदेश दिया कि सभी विभागों के सहयोग से ही हम पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन एवं विकास के लिए कार्य कर सकते है। मंत्री कुमावत ने इस बात की प्रशंसा जाहिर की कि इस बार पशुपालन विभाग ने भी समग्र राजस्थान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं राजस्थान को हरा भरा एवं प्रदूषण मुक्त बनाने में सहयोग प्रदान किया।

कृषि उपज मंडी में किसान मिल्क पार्लर का उद्घाटन: सरस मिल्क पार्लर को जयपुर की तर्ज पर करेंगे विकसित: जोराराम

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। प्रदेश के पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि सरस यानी शुद्धता की गारंटी। राज्य सरकार पशुपालकों और दुग्ध संघ को सक्षम बनाने के लिए हर संभव प्रयासरत है। कुमावत रविवार को उदयपुर प्रवास के दौरान सवीना स्थित कृषि उपज मंडी में उदयपुर सहकारी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के किसान मिल्क पार्लर के शुभारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह मिल्क पार्लर क्षेत्र के लिए बहुपयोगी साबित होगा। यहां की लोकेशन अच्छी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में फतहसागर स्थित सरस मिल्क पार्लर को जयपुर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। पशुपालन मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मानना है कि किसानों और पशुपालकों को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाएंगे तो देश मजबूत और आत्मनिर्भर बनेगा। समारोह के विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने कहा कि सरस डेयरी के उत्पाद गुणवत्तापूर्ण है। आमजन को अधिक से अधिक इन उत्पादों का लाभ लेना चाहिए। उदयपुर शहर विधायक

ताराचंद जैन ने कहा कि किसान पशुपालन के जरिए स्वयं को समृद्ध बना रहे हैं। उदयपुर डेयरी की अपनी प्रतिष्ठा है। सरकार किसानों और पशुपालकों के उत्थान के लिए संकल्पबद्ध है तथा राहत देने के हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। समारोह को उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी ने भी संबोधित किया। प्रारंभ में डेयरी चौयरमैन डालचंद डांगी, डेयरी प्रबंधक विपिन शर्मा आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। मंत्री कुमावत सहित अतिथियों ने फीता काट कर किसान मिल्क पार्लर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर समाजसेवी नाहर सिंह जोधा, रविन्द्र श्रीमाली, प्रमोद सामर, चंद्रगुप्त सिंह चौहान, तख्तसिंह शक्तावत आदि गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

गांव-ढाणियों में खुल सकते हैं छोटे सरस पार्लर

मंत्री कुमावत ने कहा कि देश की जीडीपी में सर्वाधिक योगदान कृषि और पशुपालन का है। पशुपालन का व्यवसाय प्रत्यक्ष तौर पर महिलाओं से जुड़ा हुआ है। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भरता मिलती है। महिलाओं की भागीदारी बूथ समितियों में बढ़ाने की आवश्यकता है। छोटे गांव-ढाणियों में छोटे सरस पार्लर खोल जा सकते हैं। इससे सीधा लाभ स्थानीय पशुपालकों को मिलेगा।

बजट में पशुपालकों के लिए कई प्रावधान

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पशुपालकों को प्रोत्साहन हेतु दूध क्रय पर 5 रुपये बोनस राशि का भुगतान कर रही है। सरकार ने बजट में पशुपालकों हेतु कई घोषणाएं की है। 21 लाख दुधारू पशुओं का बीमा किया जाएगा। पशुपालक अपने पशुओं का बीमा अवश्य करवाएं। गोपालक कार्ड के जरिए पशुपालकों को एक लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण मिलेगा। 536 मोबाइल वेटरनरी यूनिट प्रदेश में संचालित है, इनमें से उदयपुर जिले में 27 वाहन उपलब्ध हैं। हैल्पलाइन नंबर 1962 पर कॉल कर पशुपालक अपने बीमार पशुओं के लिए घर बैठे उपचार सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

कैटल फीड प्लांट के प्रस्ताव बनाकर भेजें

डेयरी चेयरमैन डालचंद डांगी की मांग पर कुमावत ने कहा कि उदयपुर में कैटल फीड प्लांट स्थापित करने हेतु प्रस्ताव बनाकर भेजें इसकी शीघ्र स्वीकृति हेतु यथासंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उदयपुर डेयरी प्लांट के विस्तार की आवश्यकता है। इसे स्थानीय किसान और पशुपालक समृद्ध होंगे। उदयपुर डेयरी में दूध की क्षमता बढ़ानी चाहिए। आवश्यकता अनुसार मशीनरी भी स्थापित होनी चाहिए। उदयपुर में दूध की कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि गाय की सेवा और पूजा से सभी देवताओं की कृपा प्राप्त होती है।

खबरें फटाफट

मृतक की नही हुई पहचान पुलिस ने बताया हुलिया

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। खोह नागोरिया थाना क्षेत्र के तिलक हॉस्पीटल के पास 19 अक्टूबर को सड़क किनारे

चोट ग्रस्त होकर पड़े व्यक्ति की हुई मौत, पुलिस को मृतक की पहचान नही हों पाई। पुलिस ने बताया कि 19 अक्टूबर 2024 को एसएमएस ट्रोमा सेन्टर जयपुर से कम्पाउण्डर ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति पुत्र अज्ञात उम्र 22 साल निवासी अजात जो लुनियावास जयपुर तिलक हॉस्पीटल के पास चोट ग्रस्त होकर एम्बुलेंस से लाकर भर्ती हुआ था जिसकी दिनांक 18-10-2024 को 9.50 पीएम पर मौत हों गई जिसका शव मोर्चरी मे रखवा दिया। मृतक की पहचान नही होने पर पुलिस ने पहचान के लिए मृतक का हुलिया बताया है जिसकी उम्र करीब 22 साल करीब, सिर के बाल काले है व दाढी बढी हुई है। शरीर पर लाल व सफ़ेद रंग की धारीदार टी शर्ट पहने हुए है। कालें रंग का ट्राउजर पेन्ट पहन रखा है। पेन्ट के दोनो तरफ सामने चेन वाली जेब लगी हुई है।

नौ चौकी पाल पर भव्य झील पूजन आज शाम 6 बजे से, इक्कीस हजार दीपों से जगमगाएगी पाल

■ संजीवनी टुडे

राजसमंद। सोमवार 28 अक्टूबर की शाम 6 बजे से 8 बजे तक राजसमंद झील स्थित नौ चौकी पाल पर भव्य झील पूजन और महाआरती का आयोजन होगा। नौ चौकी पाल को 21000 दीपकों से सजाया जाएगा, साथ ही परिसर में लाइटिंग करवाई जाएगी। कार्यक्रम के दौरान भजन, संगीत सहित कई गतिविधियां होंगी। झील पर भव्य संगीतमय आरती और भव्य आतिशबाजी का आयोजन होगा। नगर परिषद द्वारा सभी तैयारियां को अंतिम रूप दे दिया गया है। जिला कलेक्टर ने आमजन से कार्यक्रम में सम्मिलित होने की अपील की है। उन्होंने बताया कि शाम 6 बजते ही यह कार्यक्रम शुरू होगा और इसे बेहद भव्य बनाया जाएगा, आमजन परिवार के साथ अपने साथ दीपक भी लेकर आएं और झील को सजाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के निर्देश दिए हैं।

महावीर इंटरनेशनल ने किया महामहीम का अभिनन्दन

■ संजीवनी टुडे

फालना,पाली। महावीर इंटरनेशनल फालना केंद्र ने किया महामहीम का किया अभिनन्दन । संस्था के सचिव वीर गिरीश अग्रवाल ने बताया कि महामहीम राज्यपाल महोदय ओमप्रकाश माथुर का पाली जिले में आने पर उनके निवास स्थान बेडल में संस्था की ओर से स्वागत कर अभिनन्दन किया गया। राज्यपाल महोदय ने कुशलता पूर्वक संस्था की गतिविधियों की जानकारी ली । इस दौरान रामकिशोरजी गोयल, अध्यक्ष वीर शैलेशजी बोहरा, वीर अमित मेहता, वीर गिरीश अग्रवाल, वीर संजयजी सिरोया, वीर जगदीशजी सोनी एवं दिनेशजी पुनमिया मौजूद रहे ।

दीपावली पर्व पर देवस्थान विभाग के मंदिर होंगे जगमग

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। इस बार दीपावली पर्व पर धनतेरस, रूप चौदस, दीपावली, खेखरा, भाई दूज के इन 5 दिवसों में देवस्थान विभाग के अधीनस्थ आत्म निर्भर ओर प्रत्यक्ष प्रभार श्रेणी के मंदिरों पर विशेष आयोजन होंगे। जिसके लिए राज्य सरकार की ओर से बजट आवंटन कर दिया गया है। देवस्थान विभाग ऋषभदेव की सहायक आयुक्त दीपिका मेघवाल ने बताया कि इस बार राज्य सरकार की ओर से दीपावली पर्व के आयोजन को लेकर अलग से बजट आवंटन किया गया है। जिसके तहत उदयपुर जिले के ऋषभदेव जी मंदिर सहित डूंगरपुर जिले के कुल 31 तथा बांसवाड़ा जिले के कुल 63 विभागीय मंदिरों पर विद्युत साज सज्जा, फूल बंगला, रंगोली के साथ मिट्टी के दिए जलाए जाएंगे। साथ ही अन्नकूट प्रसादी का भी आयोजन होगा। इन विविध धार्मिक कार्यक्रमो और विशेष साज सज्जा को लेकर विभाग द्वारा तैयारिया शुरू कर दी गई है।

नियुक्त मतदान अधिकारियों का द्वितीय प्रशिक्षण 4 नवम्बर से

■ संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। विधानसभा उप चुनाव-2024 के तहत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र चौरासी-161 में नियुक्त मतदान अधिकारियों का द्वितीय प्रशिक्षण 4 नवम्बर से 9 नवम्बर तक आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश धाकड़ ने दी।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

देश में बाढ़ का विकृत चेहरा

कोई भी व्यक्ति नहीं चाहेगा कि वह पिछड़ा हुआ रहे या अपनी प्रगति, उन्नति या कहें विकास की दौड़ में फिसड्डी साबित हो।यही बात व्यक्ति के साथ समाज ,देश और राज्य पर भी समान रूप से लागू होती है।हमने भी स्वतंत्रता के बाद प्रत्येक दिशा में बहुत प्रगति की है।,विकास की दौड़ में अन्य कई मुल्कों की तुलना में हम अग्रगण्य रहे हैं लेकिन बेतरतीब और अनियोजित विकास की बहुत बड़ी कीमत हम प्रत्येक क्षेत्र में चुका रहे हैं।निःसंदेह विकास होना चाहिए लेकिन नियोजित ढ़ंग से, जिसमें प्रकृति के साथ कोई खिलवाड़ न हो।आज हमारे देश में जो योजनाएँ बनाई जा रही हैं ,उनमें प्राकृतिक संतुलन की दिशा में कहीं कोई गहरी सोच परिलक्षित नहीं हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरों की बसाहट का मामला हो या फिर औद्योगिक क्षेत्रों के विस्तार की बात या फिर सड़क और रेल मार्ग के विस्तार की बात, कहीं नियोजित तरीका परिलक्षित नहीं हो रहा है।जल निकास की समुचित व्यवस्था कहीं देखने को नहीं मिल रही है।बड़े बाँधों के लाभ की ओर तो हमारा ध्यान है,उससे होने वाले भयंकर दुष्परिणामों पर हमारा ध्यान नहीं है।परिणाम यह है कि वर्षाकाल में जल जमाव के गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

अभी हाल ही में पटना शहर अतिवृष्टि के कारण जलमग्न हो गया।कुछ समय पूर्व मुम्बई की भी यही स्थिति हो गई थी।लेकिन यह किसी क्षेत्र विशेष की स्थिति नहीं है।पटना की स्थिति को लेकर जिस तरह की राजनीति हो रही है, वह शर्मसार कर देने वाली है।वैसे भी इस स्थिति के लिए शासन-प्रशासन दोनों ही दोषी है और वर्तमान सरकार के साथ पूर्ववर्तियों का अपराध भी कम नहीं हो जाता। पहले तो बात यही कि इस बार वर्षा का कहर किसी एक क्षेत्र में नहीं रहा है।वैसे भी देश में अतिवृष्टि और बाढ़ से हर साल तबाही मचती रही है और इसमें जानमाल का नुकसान होता रहा है। देश में कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहाँ प्रतिवर्ष बाढ़ के कारण हाहाकार की स्थिति निर्मित होती रही है। यह बात अवश्य है कि पिछले कुछ दशकों में देश का काफी हिस्सा अनियमित बारिश के कारण सूखे की चपेट में रहा है तो कहीं अतिवृष्टि की, लेकिन दूसरी ओर एक स्थिति यह भी है कि मध्य भारत जैसे क्षेत्र भी अतिवृष्टि का सामना करने लगे हैं। यह सामान्य सी बात है कि अधिकांशतः नदी के किनारों और उसके आसपास के क्षेत्र में बाढ़ का कहर होता है। इस वर्ष देश के अधिकांश हिस्सों में भारी और लगातार वर्षा के कारण गुजरात , राजस्थान,असम,बिहार जैसे प्रदेशों में भयंकर बाढ़ से सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

वैसे भी हमारा देश तीन ओर से क्रमशः अरब सागर, हिन्द महासागर और बंगाल की खाड़ी से घिरा हुआ है जिसके कारण बाढ़ की विभीषिका को लेकर बहुत ज्यादा संवेदनशील है और इसी का यह परिणाम है कि देश के लगभग 12.5 प्रतिशत इलाके प्रत्येक वर्ष बाढ़ का सामना करते हैं। बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित होने वाले इलाके बंगाल, उड़ीसा, आंध्रप्रदेश, केरल, असम, बिहार, गुजरात, उत्तरप्रदेश, हरियाणा और पंजाब राज्य हैं ।मानसून के दौरान बहुत अधिक वर्षा से देश की प्रमुख नदियां ब्रहमपुत्र, गंगा, यमुना आदि में बाढ़ आने पर इनके किनारे बसी बहुत बड़ी आबादी प्रभावित होती है यहाँ जानमाल की क्षति भी बहुत होती है। इन बड़ी नदियों के किनारे या आसपास बसे शहर, गांव और कस्बों के रहवासी सर्वाधिक हानि का सामना करते है।देश में रावी, यमुना-साहिबी, गंडक, सतलज, गंगा, घग्गर, कोसी तीस्ता, ब्रह्मपुत्र महानदी, महानंदा, दामोदर, गोदावरी, मयूराक्षी, साबरमती और इनकी सहायक नदियों का पानी किनारों को छोड़-छोड़कर बड़ी दूर तक फैल जाता है।

एक जानकारी के अनुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की औसतन संख्या उत्तर प्रदेश में 7.336 लाख हैक्टेयर, बिहार में 4.26 लाख हैक्टेयर, पंजाब में 3.7 लाख हैक्टेयर, राजस्थान में 3.26 लाख हैक्टेयर, असम 3.15 लाख हैक्टेयर, बंगाल 2.65 लाख हैक्टेयर, उड़ीसा का 1.4 लाख हैक्टेयर और आंध्र प्रदेश का 1.39 लाख हैक्टेयर, केरल का 0.87 लाख हैक्टेयर, तमिलनाडु का 0.45 लाख हैक्टेयर, त्रिपुरा 0.33 लाख हैक्टेयर, मध्यप्रदेश का 0.26 लाख हैक्टेयर क्षेत्र है इस वर्ष की वर्षा से यह क्षेत्रफल और प्रतिशत और अधिक भी हो सकता है। विगत डेढ़ दशकों से हालात ये हो गए हैं कि लगभग हर दूसरे-तीसरे साल किसी न किसी राज्य या शहर में भारी बारिश और बाढ़ के कारण त्रासदी इतिहास का हिस्सा होती जा रही है। अब यह स्थिति क्यों है, इस पर भी विचार कर लिया जाए।प्रकृति का अपना चक्र है।उसपर किसी का जोर नहीं है लेकिन जब हम प्रकृति के साथ खिलवाड़ करते हैं तो उसके भयानक परिणामों से भी दो-चार होना ही होता है, और यही हो भी रहा है।वर्तमान दौर में हालात ये हैं कि सम्पूर्ण विश्व में पर्यावरण की खुद की सेहत बिगड़ती जा रही है। यह बड़ी ही विडंबनापूर्ण स्थिति है कि विश्व पर्यावरण दिवस को मनाए जाने की खानापूर्ति ही की जा रही है ।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृष

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुम्भ

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

मितव्ययिता की संस्कृति को बचाना होगा

प्रत्येक वर्ष 30 अक्टूबर को पूरी दुनिया में विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया जाता है। मितव्ययिता दिवस केवल बचत का ही दृष्टिकोण नहीं देता है बल्कि यह नियंत्रित इच्छा, आवश्यकता एवं उपभोग की आवश्यकता व्यक्त करता है। जीवन में सादगी, संयम, अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण, त्याग एवं आडम्बर-दिखावामुक्त जीवन को प्राथमिकता देता है। इसी में विश्व की अनेक समस्याओं को समाधान निहित है और इसी में हमने कोरोना महाव्याधि से मुक्ति का मार्ग पाया है। असल में कोरोना महामारी ने जीवन को नये रूप में निर्मित करने की स्थितियां खड़ी की है, जिसका आधार मितव्ययिता एवं संयम ही है। जिसने इच्छाएं सीमित रखी, वह कभी दुःखी नहीं होगा। क्योंकि वह इस सचाई को जानता है कि इच्छा को कभी पूरा नहीं किया जा सकता। तभी तो महात्मा गांधी ने कहा- सच्ची सभ्यता वह है जो आदमी को कम-से-कम वस्तुओं पर जीना सीखाए। मितव्ययिता भारतीय संस्कृति का प्रमुख आदर्श रहा है। सुखी और स्वस्थ जीवन के लिए उसका बहुत बड़ा महत्व है। आज की उपभोक्तावादी एवं सुविधावादी जीवन-धारा में जैसे-जैसे मितव्ययिता का दृष्टिकोण धुंधला होता जारहा है, कोरोना महामारी, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, प्रकृति दोहन, आतंकवाद, युद्ध, संघर्ष की स्थितियों बढ़ती जा रही है। यदि मितव्ययिता का संस्कार लोकजीवन में आत्मसात हो जाये तो समाज, राष्ट्र एवं विश्व में व्याप्त प्रदर्शन, दिखावा एवं फिजुलखर्ची पर नियंत्रण हो सकता है। बेंजामिन फ्रैंकलिन ने कहा भी है कि अगर तुम जितना कमाते हो और उससे कम खर्च करते हो तो तुम्हारे पास पारस पत्थर है।

वर्ष 1924 में इटली के मिलान में पहला अंतर्राष्ट्रीय मितव्ययिता सम्मेलन आयोजित किया गया था और उसी में एकमत से एक प्रस्ताव पारित कर विश्व मितव्ययिता दिवस मनाये जाने का निर्णय लिया गया। तभी से यह दिन दुनिया भर में बचत करने को प्रोत्साहन देने के लिए मनाया जाता है। मेरी दृष्टि में यह दिवस कोरा बचत का दिवस नहीं है, बल्कि यह अर्थ के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण एवं संयममय जीवनशैली को अपनाने का दिवस है। जबकि दुनिया में अनियंत्रित इच्छाओं को बल दिया जा रहा है, जिसका परिणाम क्या होगा? इच्छापूर्ति के लिये, आवश्यकता को बढ़ाने और उसे पूरा करने के लिये हिंसा अनिवार्य हो जाती है। नया उपभोक्तावाद एक प्रकार से नई हिंसा यानी कोरोना महामारियों का उपक्रम है। हिंसा, प्रतिस्पर्धा, सत्ता की दौड़ एवं आर्थिक साम्राज्य को इससे नया क्रूर आकार मिला है। क्योंकि अर्थ की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संग्रह, सुविधा, सुख, भोग-विलास एवं स्वार्थ से जोड़ दिया है। समस्या सामने आई-पदार्थ कम, उपभोक्ता ज्यादा। व्यक्तिवादी मनोवृत्ति जागी। स्वार्थों के संघर्ष में अन्याय, शोषण एवं अनैतिकता होने लगी। एक ओर वैभव ने व्यक्ति को विलासिता दी और विलासिता ने व्यक्ति के भीतर क्रूरता जगाई तो दूसरी ओर गरीबी एवं अभाव की त्रासदी ने उसके भीतर विद्रोह की आग जला दी। वह प्रतिशोध में जलने लगा, तपने लगा, अनेक बुराइयां बिन बुलाए घर आ गई। आदमी-आदमी से असुरक्षित हो गया।

विचार बिन्दु

चाणक्य ने कहा-लिखने के लिए अधिक उजाले की आवश्यकता होती है। आप लोगों से ज्ञान-चर्चा तो थोड़ी रोशनी में भी हो जाएगी। संत के इस व्यवहार से उन्हें एक नई पे्ररणा प्राप्त हुई। आज पानी और बिजली के अ्रभाव की चर्चा सारे राष्ट्र में हो रही है, पर दूसरी ओर सड़कों पर जगह-जगह नल खुले रहते हैं। इस दिशा में सरकार और जनता दोनों में ही जागरूकता का अभाव है। इसी प्रकार बिजली का भी दुरुपयोग होता रहता है। जब तक जन-जन को मितव्ययी जीवनशैली का व्यवस्थित प्रशिक्षण नहीं दिया जाएगा।

ललित गर्ग

फ्रांसीसी विचारक विचारक ज्यां बोद्रियो ने आधुनिक उपभोक्तावाद की मीमांसा करते हुए कहा है कि पहले वस्तु आती है तो वह सुख देने वाली लगती है। अंत में वह दुःख देकर चली जातीहै। पहले वह भली लगती है, किन्तु अंत में बुरी साबित होती है। आर्थिक विसंगतियों एवं विषमताओं को दूर करने के लिये मितव्ययिता जरूरी है। नरेन्द्र मोदी सरकार ने मितव्ययिता के लिये ही वीआईपी कल्चर पर नियंत्रण लगाया है। सामाजिक और राष्ट्रीय संपदा का अर्थहीन अतिरिक्त भोग और दूसरी तरफ अनेक-अनेक व्यक्ति जीवन की मौलिक और अनिवार्य अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए भी तरसते रहते हैं। एक ओर अमीरों की ऊंची अट्टालिकाएं, दूसरी ओर फुटपाथों पर रेंगती गरीबी। यह आर्थिक विषमता निश्चित ही सामाजिक विषमता को जन्म देती है। जहां विषमता है, वहां निश्चित हिंसा है। इस हिंसा का उद्गम है, पदार्थ का अतिरिक्त संग्रह, व्यक्तिगत असीम भोग, अनुचित वैभव प्रदर्शन, साधनों का दुरुपयोग। सत्ता का दुरुपयोग भी विलासितापूर्ण जीवन को जन्म देता है। जनता के कुछ प्रतिनिधि अपनी ही प्रजा के खून-पसीने की कमाई से किस कदर ऐशोआराम एवं भोग की जिन्दगी जीते हैं, यह भी सोचनीय है।

किसके पास कितना धन है, यह महत्वपूर्ण नहीं है। महत्व इस बात का है कि अर्थ के प्रति व्यक्ति का दृष्टिकोण क्या है तथा उसका उपयोग किस दिशा में हो रहा है। प्रदर्शन एवं विलासिता में होने वाला अर्थ का अपव्यय समाज को गुमराह अंधेरों की ओर धकेलता है। विवाह शादियों में 35-40 करोड़ का खर्च, क्या अर्थ बर्बादी नहीं है। प्रश्न उठता है कि ये चकाचैंध पैदा करने वाली शादियां, राज्याभिषेक के आयोजन, राजनीतिक पार्टियां, जनसभाएं- मानवीय सभ्यता और संस्कृति के विनाश के ही कारण हैं। इस तरह की आर्थिक सोच एवं संरचना से क्रूरता बढ़ती है, भ्रष्टाचार की समस्या खड़ी होती है, हिंसा को बल मिलता है और मानवीय संवेदनाएं सिकुड़ जाती है। अर्थ केन्द्रित विश्व-व्यवस्था समग्र मनुष्य-जाति के लिये भयावह बन रही है। इसलिये विश्व मितव्ययिता दिवस जैसे उपक्रमों की आज ज्यादा उपयोगिता प्रासंगिकता है।

मितव्ययिता का महत्व शासन की दृष्टि से ही नहीं व्यक्ति एवं समाज की दृष्टि से भी है। हमारे यहां प्राचीन समाज में मितव्ययिता के महत्व को स्वीकार किया जाता था। किसी सामान की बर्बादी नहीं की जाती थी और उसे उपयुक्त जगह पहुंचा दिया जाता था। भोग विलास में पैसे नहीं खर्च किए जाते थे, पर दान, पुण्य किए जाने का प्रचलन था। पुण्य की लालच से ही सही, पर गरीबों को खाना खिला देना, अनाथों को रहने की जगह देना, जरूरतमंदों की सहायता करना जैसे काम लोग किया करते थे। पर आज का युग स्वार्थ से भरा है, अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर सुंदर महंगे कपड़े पहनना, फ्लाइट में घूमना, भोग विलास में आपना समय और पैसे जाया करना आज के नवयुवकों की कहानी बन गयी है। दूसरों की मदद के नाम से ही वे आफत में आ जाते हैं, अपने माता-पिता तक की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते, दाई-नौकरों और स्टाफ को पैसे देने में कतराते हैं, पर अपने शौक मौज के पीछे न जाने कितने पैसे बर्बाद कर देते हैं। अपने मामलों में उन्हें मितव्ययिता की कोई आवश्यकता नहीं होती, पर कंपनी का खर्च घटाने में और दूसरों के मामले में अवश्य की जाती है। क्या मितव्ययिता का सही अर्थ यही है ? जैन धर्म में आदर्श गृहस्थ की जिस जीवनशैली का प्रतिपादन हुआ है, उसमें मितव्ययिता पर बहुत बल दिया गया है पर आज उसका जागरूकता के साथ अनुसारण करने वाले बहुत थोड़े हैं। भगवान महावीर ने व्यक्तिगत स्वामित्व का सीमाकरण और उपभोग का सीमाकरण-ये दोनों दर्शन दिये। इसी से समाज सुखी, स्वस्थ और शांत जीवन जीता रहा है। महात्मा गांधी के विचारों पर भी महावीर एवं जैन धर्म का गहरा प्रभाव था। जैनत्व के संयम प्रधान आदर्शों का उन्होंने अत्यंत श्रद्धा और निष्ठा से अनुसरण किया था। महामात्य चाणक्य एक प्रसिद्ध संत हुए हैं। वे अपने स्थान पर रात्रि में लिख रहे थे। उस समय उनके पास दो दिये जल रहे थे। कुछ जिज्ञासु व्यक्ति उनसे मिलने आये। उनके बैठते ही संत ने एक दिया बुझा दिया। उन्होंने संत से पूछा-आपने ऐसा क्यों किया?

मां कात्यायनी की आराधना से मिलते हैं चारों पुरुषार्थ

शक्ति के छठे रूप को मां कात्यायनी के नाम से जाना जाता है। इनकी उपासना से जीवन के चारों पुरुषार्थों अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष की आसानी से प्राप्त हो जाती है। तो आइए हम आपको मां कात्यायनी की महिमा के बारे में बताते हैं। मां कात्यायनी अद्भुत रूप वाली हैं। नवरात्र के छठे दिन साधक का मन आज्ञा चक्र में स्थित रहता है। योग साधना में आज्ञा चक्र का खास महत्व होता है। जातक का मन आज्ञा चक्र में स्थित होने के कारण देवी कात्यायनी के आसानी से दर्शन मिलते हैं। मां कात्यायनी का रूप भव्य तथा प्रभावशाली होता है। उनका रूप सोने की तरह चमकीला है। देवी कात्यायनी की चार भुजाएं हैं। दायीं ओर का ऊपर वाला हाथ अभयमुद्रा में स्थित होता है तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में विद्यमान होता है। मां के बायीं ओर वाले हाथ में तलवार होता है व नीचे वाले हाथ में कमल का फूल मौजूद रहता है। मां कात्यायनी सदैव शेर पर सवार रहती हैं।

मां कात्यायनी को प्रसन्न करने के लिए विशेष प्रकार से आराधना करें। इसके लिए पहले फूलों से देवी मां को प्रणाम कर मंत्र का जाप करें। नवरात्र के छठे दिन दुर्गा सप्तशती के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करना चाहिए। देवी को फूल और जायफल प्रिय हैं इसलिए उन्हें पुष्प तथा जायफल अर्पित करें। देवी के साथ ही शंकर जी की भी पूजा करें। देवी कात्यायनी को शहद पसंद है इसलिए इस दिन लाल रंग के कपड़े पहनकर मां को शहद चढ़ाएं। नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की विधिवत स्तुति करने से सुखद वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद मिलता है और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। जिन साधकों को शादी से जुड़ी परेशानी है वह मां को हल्दी की गांठ चढ़ाएं। मां दुर्गा के छठवें रूप की पूजा से राहु और काल सर्प दोष से जुड़ी परेशानियां दूर हो जाती हैं। देवी की विधिवत पूजा से कार्यक्षेत्र में साधक सफल होता है तथा रास्ते में आने वाली कठिनाइयां दूर हो जाती हैं। ऐसा माना जाता है कि मां कात्यायनी की आराधना से त्वचा, मस्तिष्क, संक्रमण, अस्थि आदि बीमारियों में लाभ मिलता है।

जब महिषासुर नाम के राक्षस का अत्याचार बहुत बढ़ गया तो ब्रह्म, विष्णु और महेश ने अपना तेज देकर देवी कात्यायनी को पैदा किया। महर्षि कात्यायन की यह इच्छा थी कि देवी उनके घर पुत्री के रूप में पैदा हों।

इसके बाद देवी अश्विन मास की कृष्ण चतुर्दशी को पैदा हुईं। कात्यायन ऋषि ने उनका पालन पोषण किया। उसके बाद महर्षि कात्यायन की प्रार्थना स्वीकार कर देवी ने दशमी के दिन महिषासुर का वध कर देवताओं को उसके आतंक से मुक्त कराया था। उसके बाद शुम्भ तथा निशुम्भ नाम के राक्षस भी इन्द्र, नवग्रह, वायु तथा अग्नि को परेशान करने लगे। इन असुरों से त्रस्त देवताओं ने हिमालय पर्वत पर जाकर विष्णुमाया नाम की दुर्गा की आराधना की। उसके बाद मां कात्यायनी ने ही देवताओं को इन दुष्ट असुरों से मुक्ति दिलायी थी।

28 अक्टूबर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1886 अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड ने दोस्ती के प्रतीक के तौर पर फ्रांस से उपहार में मिली 'स्टैच्यु ऑफ लिबर्टी' का औपचारिक अनावरण किया।

1891 जापान में भूकंप से 7300 लोगों की मौत।

1918 आस्ट्रिया और हंगरी के अलग होने के बाद चेकोस्लोवाकिया स्वतंत्र हुआ।

1954 अर्नेस्ट हेमिंग्वे को साहित्य का नोबल पुरस्कार मिला।

1955 मिस्त्र और सऊदी अरब ने रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए।

1998 इंटरपोल की 67वीं आमसभा अत्याधुनिक तकनीक आतंकवाद और अन्य आधुनिक संगठित अपराधों से निपटने की एक नयी रणनीति के साथ समाप्त।

2001 जर्मनी के चांसलर गेरहार्ड श्रोडर भारत की यात्रा पर आये, जापान के प्रधानमंत्री जुनीशिरो कोअजुमी के विशेष दूत योसितो मोरी भारत दौरे पर आये।

2004 बीजिंग में 4000 वर्ष पुराने मकबरों का पता लगा। परमाणु मसले पर ईराक के साथ यूरोपीय संघ की वार्ता विफल।

2009 पाकिस्तान के पेशावर में बम धमाके से 117 मरे, 213 घायल।

2012 सीरिया में संघर्ष विराम का उल्लंघन, 128 लोग मारे गये। जर्मनी के सेबेस्टियन वेटेल ने वर्ष 2012 का फार्मूला वन इंडियन ग्रां प्री खिताब जीता।

जन्मे व्यक्ति

1883 मौरिस गार्नियर हैलेट - भारत सरकार में गृह सचिव रहे।

महबूबा को पंसद नहीं अमन चैन!

विचार बिन्दु

राजेश माहेश्वरी

उस समय महबूबा ने कहा था कि विशेष दर्जा हटाने को लेकर चल रहे मामले पर कहा कि अगर ऐसा हुआ तो कश्मीरी तिरंगे की बजाय दूसरा झंडा उठा लेंगे।

पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को लेकर विवादित बयान दिया है। महबूबा ने कहा कि जब तक धारा 370 बहाल नहीं होती, वह न तो तिरंगे को छुएंगी और न ही चुनाव लड़ेंगी। यह बयान एक ऐसे नेता द्वारा दिया गया है, जिनकी पार्टी ने जम्मू-कश्मीर में कई वर्षों तक राज किया। जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाये जाने के बाद से ही बौखलाई महबूबा ने तिरंगे का अपमान करके अपनी असलियत सामने ला दी है। उनके बयान से ऐसा आभास होता है कि उन्हें कश्मीर में शांति सुहाती नहीं है। रिहा होने के बाद वो घाटी में फिर से लोगों को बहकाने का काम कर रही हैं। महबूबा के बयान से पूर्व कुछ दिन पहले नेश्नल कांफ्रेंस के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री फारुख ने चीन का समर्थन लेने की बात कही थी। पीओके को लेकर भी वह कई बार विवादित बयान दे चुके हैं। वहीं लंबी नजरबंदी के बाद हाल ही में रिहा हुई महबूबा ने फिर एक बार धारा 370 का राग अलापना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि जब जम्मू कश्मीर में धारा 370 लागू थी, उस समय जम्मू कश्मीर राज्य का अलग संविधान और झंडा हुआ करता था। पिछले साल अगस्त में धारा 370 की समाप्ति के बाद से ये विशेष स्थिति भी खत्म हो गई है। ऐसे में अपने राजनीतिक जीवन और सुख सुविधाओं की समाप्ति से परेशान महबूबा और तमाम दूसरे दल के नेताओं ने धारा 370 का लेकर रोना गाना शुरू कर दिया है। असल में चाहे महबूबा हो या फिर अब्दुल्ला इनकी वफादारी भारत से ज्यादा पाकिस्तान और चीन के साथ ज्यादा दिखाई देती है।

धारा 370 को हटाने के बाद से घाटी में शांति का वातावरण बनाये रखने के मद्देनजर महबूबा, फारुख अब्दुल्ला, उमर तथा उनके अलावा लगभग सभी अलगाववाद समर्थक नेताओं को नजरबंद किया गया था। महबूबा भी पिछले दिनों ही रिहा हुई हैं। उसके बाद पीडीपी के अलावा नेशनल कांफ्रेंस औए कुछ छोटे दलों ने मिलकर 370 की वापिसी के लिए संघर्ष की साझी घोषणा की है। महबूबा ने तिरंगे को लेकर जो बयान दिया है वो उसी संघर्ष का श्रीगणेश कहा जा सकता है। लेकिन पुराने झंडे की वापिसी तक तिरंगा भी नहीं फहराए जाने की बात से साबित होता है कि वे अभी घारा 370 की समाप्ति के समय लगे सदमे से अभी उभर नहीं पायी हैं। वो अभी भी अतीत में जी रही हैं। घाटी में धीरे धीरे ही सही वातावरण में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। पिछले सवा साल में घाटी वासियों ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया जिससे इस बात का आभास हो कि वह नेताओं की नजरबंदी के खिलाफ है। इस दौरान सुरक्षा बलों ने दर्जनों आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा। वहीं आंतकियों से मुठभेड़ के दौरान उनके बचाव के लिए सुरक्षा बलों पर पथराव करने जैसी घटनाएं शून्य के स्तर पर पहुंच गयी है। आंतकियों के अंतिम संस्कार में उमड़ने वाला जनसैलाब भी दिखाई नहीं दिया। इसका प्रमुख कारण यह है कि केंद्र शासित हो जाने से राज्य की पुलिस और प्रशासन दोनों दिल्ली के नियन्त्रण में आ गये। जमीनी सच्चाई यह भी है कि फारुख अब्दुल्ला, महबूबा से लेकर तमाम दूसरे नेता घाटी में धारा 370 की बहाली के लिए किसी बड़े आन्दोलन की जमीन तैयार नहीं कर सके। असल में महबूबा और फारूख जैसे नेता पूरी तरह जमीन से कटे हुए हैं। जनता को भड़काकर और भटकाकर इन लोगों ने लंबे समय तक अपनी राजनीति चमकाई है। महबूबा ने नेशनल कांफ्रेंस के साथ कुछ दलों की जो बैठक की, उससे भी कोई ठोस बात सामने नहीं आई। उस बैठक में कांग्रेस की गैर मौजूदगी से ये संकेत मिला था कि वह इन पार्टियों के साथ खड़े होने से बच रही है। इसका प्रमाण गत दिवस कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा महबूबा के तिरंगे संबंधी बयान का विरोध किये जाने से मिला। तिरंगा नहीं थामने के अलावा चुनाव नहीं लड़ने के उनके बयान पर फारुख और उमर की कोई प्रतिक्रिया नहीं आने से ये साबित होता है कि राज्य की दोनों प्रमुख पार्टियां एकमत नहीं हैं। दरअसल पीडीपी के अनेक बड़े नेता पार्टी छोड़ चुके हैं।

तिरंगे के बयान बाद से तीन प्रमुख नेताओं ने महबूबा का साथ छोड़ दिया है। महबूबा भाजपा के साथ सरकार चलाकर अपनी राजनीतिक जमीन और धाक पहले ही गंवा चुकी हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने उसकी आलोचना कर प्रशंसा योग्य कार्य किया है। बेहतर हो बाकी पार्टियां भी उसके विरोध में खड़ी हों। इस बारे में वामपंथी दलों की भूमिका पर भी सबकी विशेष दृष्टि रहेगी। पिछले साल फरवरी में भी महबूबा मुफ्ती ने इस तरह का विवादित बयान दिया था।

आया मानसून बुखार से जरा बचके

रिमझिम फुहारों के साथ बरसात का मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां भी लाता है, जिनमें बुखार बड़ा कॉमन है। डेंगू के मामले भी बढ़ रहे हैं। डेंगू, टायफाइड और मलेरिया के बारे में आइए विस्तार से जानें

क्या है बुखार

जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर अपने आप ही उसे मारने की कोशिश करता है। इसी मकसद से शरीर जब अपना टेम्प्रेचर बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। अगर शरीर का तापमान सुबह के समय 99 डिग्री फारनहाइट से ज्यादा और शाम के वक्त 99.9 डिग्री फारनहाइट से ज्यादा है, तो बुखार माना जाता है। अब 98.4 नॉर्मल टेम्प्रेचर का कॉन्सेप्ट बदल चुका है। मलेरिया और डेंगू में बुखार 101 से लेकर 103 डिग्री फारनहाइट तक पहुंच जाता है, जबकि वायरल में बुखार की रेंज को बता पाना काफी मुश्किल होता है।

खुद क्या करें

बुखार अगर 102 डिग्री तक है और कोई और खतरनाक लक्षण नहीं हैं तो मरीज की देखभाल घर पर ही कर सकते हैं। इसमें तीन चार दिन तक इंतजार कर सकते हैं। मरीज के शरीर पर सामान्य पानी की पट्टियां रखें। पट्टियां तब तक रखें, जब तक शरीर का तापमान कम न हो जाए। अगर इससे ज्यादा तापमान है तो फौरन डॉक्टर को दिखाएं। मरीज को एसी में रख सकते हैं, तो बहुत अच्छा है, नहीं तो पंखे में रखें। कई लोग बुखार होने पर चादर ओढ़कर लेट जाते हैं और सोचते हैं कि पसीना आने से बुखार कम हो जाएगा, लेकिन इस तरह चादर ओढ़कर लेटना सही नहीं है। साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखें। मरीज को वायरल है, तो उससे थोड़ी दूरी बनाए रखें और उसके द्वारा इस्तेमाल की गई चीजें इस्तेमाल न करें। मरीज को पूरा आराम करने दें, खासकर तेज बुखार में। आराम भी बुखार में इलाज का काम करता है। मरीज छींकने से पहले नाक और मुंह पर रुमाल रखें। इससे वायरल होने पर दूसरों में फैलेगा नहीं।

बरतें ऐहतियात

ठंडा पानी न पीएं, मैदा और बासी खाना न खाएं। खाने में हल्दी, अजवाइन, अदरक, हींग का ज्यादा-से-ज्यादा इस्तेमाल करें। इस मौसम में पत्ते वाली सब्जियां, अरबी, फूलगोभी न खाएं। हल्का खाना खाएं, जो आसानी से पच सके। पूरी नींद लें। मिर्च मसाले और तला हुआ खाना न खाएं, भूख से कम खाएं, पेट भर न खाएं। खूब पानी पीएं। छाछ, नारियल पानी, नीबू पानी आदि खूब पिएं। नाक के अंदर की तरफ सरसों का तेल लगाकर रखें। इससे तेल की चिकनाहट बाहर से बैक्टीरिया को नाक के अंदर जाने से रोकती है। खाने में हल्दी का इस्तेमाल ज्यादा करें। सुबह आधा चम्मच हल्दी पानी के साथ या रात को आधा चम्मच हल्दी एक गिलास दूध के साथ लें। लेकिन अगर आपको नजला, जुकाम या कफ आदि है तो दूध न लें। तब आप हल्दी को पानी के साथ ले सकते हैं। 8-10 तुलसी के पत्तों का रस शहद के साथ मिलाकर लें या तुलसी के 10 पत्तों को पौने गिलास पानी में उबालें, जब वह आधा रह जाए तब उस पानी को पीएं।

FEVERS

डेंगू कैसे और कब

डेंगू मादा एडीज इजिप्टी मच्छर के काटने से होता है। इन मच्छरों के शरीर पर चीते जैसी धारियां होती हैं। ये मच्छर दिन में, खासकर सुबह शरीर के निचले हिस्सों पैरों आदि पर काटते हैं। डेंगू बरसात के मौसम और उसके फौरन बाद के महीनों यानी जुलाई से अक्टूबर में सबसे ज्यादा फैलता है। काटे जाने के 3-5 दिनों के बाद मरीज में डेंगू बुखार के लक्षण दिखने लगते हैं। शरीर में बीमारी पनपने की मियाद 3 से 10 दिनों की भी हो सकती है।

डेंगू के 3 रूप

- क्लासिकल (साधारण) डेंगू बुखार
- डेंगू हैमरेजिक बुखार
- डेंगू शॉक सिंड्रोम

इन तीनों में से दूसरे और तीसरे तरह का डेंगू सबसे ज्यादा खतरनाक होता है। साधारण डेंगू बुखार अपने आप ठीक हो जाता है और इससे जान का खतरा नहीं होता लेकिन अगर किसी को डीएचएफ या डीएसएस है और उसका फौरन इलाज शुरू नहीं किया जाता तो जान जा सकती है। इसलिए यह पहचानना सबसे जरूरी है कि बुखार साधारण डेंगू है, डीएचएफ है या डीएसएस है।

बुखार कब जानलेवा

सभी बुखार जानलेवा या बहुत खतरनाक नहीं होते, लेकिन अगर डेंगू में हैमरेजिक बुखार या डेंगू शॉक सिंड्रोम हो जाए, मलेरिया दिमाग को चढ़ जाए, टायफायड का सही इलाज न हो, प्रेग्नेंसी में वायरल हेपटाइटिस या मेंनिंजाइटिस हो जाए तो खतरनाक साबित हो सकते हैं। बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है इसलिए बीमारी उन्हें जल्दी जकड़ लेती है। ऐसे में उनकी बीमारी को नजरअंदाज न करें। खुले में ज्यादा रहते हैं इसलिए इन्फेक्शन होने और मच्छरों से काटे जाने का खतरा उनमें ज्यादा होता है। बच्चों को घर से बाहर पूरे कपड़े और जूते पहनाकर भेजें। मच्छरों के मौसम में बच्चों को निकर व टी-शर्ट न पहनाएं। रात में मच्छर भगाने की क्रीम लगाएं। बच्चा बहुत ज्यादा रो रहा हो, लगातार सोए जा रहा हो, बेचैन हो, उसे तेज बुखार हो, शरीर पर रैशेज हों, उलटी हो या इनमें से कोई भी लक्षण हो तो फौरन डॉक्टर को दिखाएं।

लक्षण क्या-क्या साधारण डेंगू बुखार

ठंड लगने के बाद अचानक तेज बुखार। -सिर, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द -आंखों के पिछले हिस्से में दर्द होना, जो आंखों को दबाने या हिलाने से और बढ़ जाता है। बहुत ज्यादा कमजोरी लगना, भूख न लगना और जी मिचलाना। गले में हल्का-सा दर्द होना। शरीर खासकर चेहरे, गर्दन और छाती पर, लाल-गुलाबी रंग के रैशेज। क्लासिकल साधारण डेंगू बुखार करीब 5 से 7 दिन तक रहता है और मरीज ठीक हो जाता है। ज्यादातर मामलों में इसी किस्म का डेंगू बुखार होता है।

डेंगू हॅमरेजिक बुखार

नाक और मसूढ़ों से खून आना। शौच या उलटी में खून आना। स्किन पर गहरे नीले-काले रंग के छोटे या बड़े रैशेज पड़ जाना। साधारण डेंगू बुखार के लक्षणों के साथ ये लक्षण भी दिखाई दें तो वह डीएचएफ हो सकता है। ब्लड टेस्ट से इसका पता लग सकता है।

डेंगू शॉक सिंड्रोम

इस बुखार में डीएचएफ के लक्षणों के साथ-साथ 'शॉक' की अवस्था के भी कुछ लक्षण दिखाई देते हैं।

जैसे- मरीज बहुत बेचैन हो जाता है और तेज बुखार के बावजूद उसकी स्किन ठंडी महसूस होती है। मरीज धीरे-धीरे होश खोने लगता है। मरीज की नाड़ी कभी तेज और कभी धीरे चलने लगती है। उसका ब्लडप्रेशर एकदम लो हो जाता है।

इलाज

अगर मरीज को साधारण डेंगू बुखार है तो उसका इलाज व देखभाल घर पर की जा सकती है। अगर बुखार 102 डिग्री फारनहाइट से ज्यादा है तो मरीज के शरीर पर पानी की पट्टियां रखें। सामान्य रूप से खाना देना जारी रखें। बुखार की हालत में शरीर को और ज्यादा खाने की जरूरत होती है। मरीज में DSS या DHF का एक भी लक्षण दिखाई दे तो उसे जल्दी-से-जल्दी डॉक्टर के पास ले जाएं। DSS और DHF बुखार में प्लेटलेट्स कम हो जाते हैं, जिससे शरीर के जरूरी हिस्से प्रभावित हो सकते हैं। डेंगू बुखार के हर मरीज को प्लेटलेट्स चढ़ाने की जरूरत नहीं होती, सिर्फ डेंगू हैमरेजिक और डेंगू शॉक सिंड्रोम बुखार में ही जरूरत पड़ने पर प्लेटलेट्स चढ़ाई जाती हैं। अगर सही समय पर इलाज शुरू कर दिया जाए तो DSS और DHF का पूरा इलाज मुमकिन है। इलाज कराने और हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद मरीज को थोड़ी कमजोरी रहती है, जो 10 दिन में ठीक हो जाती है। पूरी तरह स्वस्थ होने में मरीज को 10 दिन लगते हैं।

एलोपैथी में इलाज

इसकी दवाई लक्षण देखकर और प्लेटलेट्स का ब्लड टेस्ट कराने के बाद ही दी जाती है।

आयुर्वेद: आयुर्वेद में इसकी कोई पेटेंट दवा नहीं है, लेकिन डेंगू न हो, इसके लिए यह नुस्खा अपना सकते हैं। एक कप पानी में एक चम्मच गिलोय का रस (अगर इसकी डंडी मिलती है तो चार इंच की डंडी लें), दो काली मिर्च, तुलसी के पांच पत्ते और अदरक मिलाकर पानी में उबालकर काढ़ा बनाएं और 5 दिन तक लें। दिन में दो बार, सुबह नाश्ते के बाद और रात में डिनर से पहले लें।

कौन-से टेस्ट

अगर तेज बुखार हो, जॉइंट्स में तेज दर्द हो या शरीर पर रैशेज हों तो पहले दिन ही डेंगू का टेस्ट कराएं। लक्षण नहीं हैं, पर तेज बुखार है तो भी एक-दो दिन बाद फिजिशन के पास जाएं। शक होने पर डॉक्टर डेंगू की जांच कराएगा। डेंगू की जांच के लिए शुरुआत में एंटिजन ब्लड टेस्ट किया जाता है। इस टेस्ट में डेंगू शुरू में ज्यादा पॉजिटिव आता है, जबकि बाद में धीरे-धीरे पॉजिटिविटी कम होने लगती है। अगर तीन-चार दिन के बाद टेस्ट कराते हैं तो एंटिबॉडी टेस्ट (डेंगू सिरॉलजी) कराना बेहतर है। डेंगू की जांच कराते हुए वाइट ब्लड सेल्स का टोटल काउंट और अलग-अलग काउंट करा लेना चाहिए। इस टेस्ट में प्लेटलेट्स की संख्या पता चल जाती है।

ताकि चलती रहे कामकाजी जिंदगी

हर समय घर-दफ्तर की भागदौड़ और इससे तालमेल बैठाने की कोशिश करते आप..मानो पूरा जीवन ही मशीनी हो गया है। पर यह मशीन लंबे समय तक साथ देती रहे, इसके लिए जरूरी है नियमित व्यायाम। वैसे ही जैसे आप दूसरे सब काम करते हैं। 15 मिनट का समय निकाल कर कौन से आसन जरूर करें। कामकाजी लोगों के पास समय की बड़ी कमी होती है। व्यायाम न कर पाने के सौ बहाने हमेशा तैयार रहते हैं। यूं भी सेहत के प्रति लापरवाह नजरिया हम भारतीयों में आसानी से देखने को मिलता है। सारा दिन कंप्यूटर, कुर्सी, टेबल, फोन तथा घर-ऑफिस के कामों में ही बीत जाता है। न चैन से भोजन करना, न चैन से सोना। यही कारण है कि अधिकांश युवा व कामकाजी वर्ग कम उम्र में ही उच्च व निम्न रक्तचाप, मधुमेह, मोटापे, स्लिप डिस्क, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, उदर रोग, अपचन, वायु रोग, मानसिक तनाव, जोड़ों में दर्द तथा थकावट का शिकार हो रहा है। आधुनिक चिकित्सा के पास मनुष्य को संपूर्ण शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन तथा पूर्ण कार्यक्षम बनाने की कोई दवा नहीं है। योग के निरंतर तथा नियमित अभ्यास से जरूर इसका समाधान संभव है। यहां कुछ आसान क्रियाएं दी जा रही हैं, जिनके लिए घर व ऑफिस में कुछ समय निकाल कर अपनी कामकाजी जिंदगी को दीर्घायु बना सकते हैं..

1. ऑफिस में कुर्सी पर बैठ कर करने वाली यौगिक क्रियाएं

2. घर/ ऑफिस में एकांत में की जाने वाली यौगिक क्रियाएं

ऑफिस में कुर्सी पर बैठ कर करने वाली यौगिक क्रियाएं

इन क्रियाओं को सूक्ष्म यौगिक क्रियाएं कहते हैं। इन्हें आप ऑफिस की कुर्सी पर बैठे-बैठे कभी भी आसानी से कर सकते हैं। ये क्रियाएं गर्दन, हाथ, पैर तथा रीढ़ के लिए अलग-अलग होती हैं। इनके अभ्यास की विधि इस प्रकार है..

गर्दन की क्रियाएं: कुर्सी पर रीढ़, गर्दन व सिर को सीधा रख कर बैठ जाएं। दो गहरी सांस लें और छोड़ें। चेहरे को पांच बार दाएं और बाएं कंधे की ओर ले जाएं। इसके बाद पांच बार आगे व पीछे की ओर सिर झुकाएं। अंत में सिर को पांच बार घड़ी की सुई की दिशा में तथा इतनी ही बार विपरीत दिशा में घुमाएं। सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की स्थिति में सिर को आगे की ओर झुकाना तथा वृत्ताकार घुमाना मना होता है।

लाभ: ऐसा करते रहने से सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस होने के खतरे से बच सकता है। **हाथ की क्रियाएं:** कुर्सी पर रीढ़, गर्दन व सिर को सीधा कर बैठें। दो गहरे सांस लें व छोड़ें। अब दाएं हाथ के कंधे को हल्का कड़ा करें, फिर ऊपरी बांह, निचली बांह, कलाई व हथेली को कड़ा करें। हाथ को 10 सेकेंड तक कड़ा रखें, फिर हथेली, कलाई, निचली व ऊपरी बांह तथा कंधे को क्रम से ढीला करें। यह क्रिया 5 बार करें। बाएं हाथ से दोहराएं। इससे शोल्डर फ्रीजिंग, कलाई व उंगलियों में दर्द की आशंका नहीं रहती। कंप्यूटर पर देर तक काम करने वालों के लिए यह अच्छी क्रिया है। **यौगिक श्वसन:** इसका अभ्यास उठते, बैठते, चलते-फिरते तथा लेटे हुए कभी भी किया जा सकता है। कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा रख कर बैठ जाएं। अब एक गहरी सांस लेकर पहले श्वास पेट में तथा उसके बाद सीने में भरें। श्वास निकालते समय पहले सीने को खाली करें। फिर पेट खाली करें। इसे 25 से 30 बार दोहराएं। **रीढ़ की क्रिया:** कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा रख कर बैठें। दो गहरी सांस लें व छोड़ें। अब दोनों हाथ की हथेलियों को सिर के पीछे रख कर धड़ को आगे, पीछे, दाएं व बाएं मोड़ें। यह क्रिया 5 बार दोहराएं। यह क्रिया रीढ़ की प्रत्येक वर्टिबा को सशक्त करती है।

पैर के लिए व्यायाम

कुर्सी पर रीढ़, गला व सिर को सीधा कर बैठ जाएं। दो गहरी सांस लें व छोड़ें। इसके बाद दाएं पैर के क्रमशः नितंब, जांघ, पिंडली, एड़ी, पंजे तथा उंगलियों को हल्का, मध्यम तथा तीव्र कड़ा करें। इसके बाद उल्टी दिशा से उंगलियों से लेकर नितंब को धीरे-धीरे ढीला छोड़ दें। यह क्रिया 5 बार दोहराएं।

माइग्रेन: कैसे पाएं चैन...

क्या आपको अचानक सिर के किसी एक हिस्से में बेहद दर्द होता है, जो झकझोर के रख देता है? क्या इस कारण रोजमर्रा के कामों को करने में परेशानी होती है? ऐसा लगता है, मानो जब तक आराम न आ जाए, तब तक अंधेरे कमरे में लेटे रहें? दर्द के साथ चक्कर या उलटी की शिकायत भी होती है? यदि आपका जवाब हां हैं तो यह दर्द माइग्रेन हो सकता है। खुद से ही दर्द निवारक दवाओं द्वारा इसे रोकने से बेहतर है कि आप तुरंत किसी डॉक्टर से संपर्क करें। पिछले कुछ समय में किशोरों व युवाओं में इसके मामले तेजी से बढ़े हैं।

तेज रफ्तार जिंदगी व अस्वस्थ जीवनशैली के कारण आज सिरदर्द की समस्या आम हो गई है। लंबे समय तक चलने वाला सिरदर्द आगे चल कर माइग्रेन का रूप धारण कर लेता है। माइग्रेन का दर्द कुछ घंटे से लेकर कई दिनों तक रह सकता है। पहले माना जाता था कि माइग्रेन मस्तिष्क की रक्त नलिकाओं के फैलने और सिकुड़ने के कारण होता है, लेकिन कई अनुसंधानों में यह बात सामने आई है कि माइग्रेन केंद्रीय तंत्रिका तंत्र की गड़बड़ी के कारण होता है, जिससे न्यूरोट्रांसमीटर्स का संचरण प्रभावित होता है, विशेष रूप से सेरोटोनिन हार्मोन में असंतुलन उत्पन्न हो जाता है।

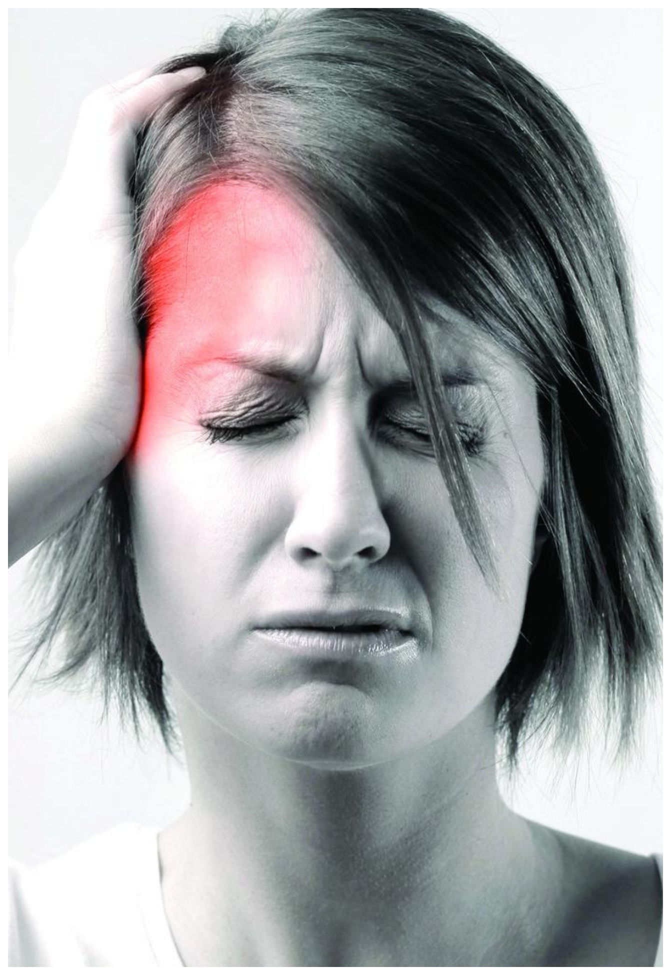

महिलाएं हैं आसान शिकार

बचपन में सिरदर्द लड़कियों की तुलना में लड़कों को अधिक होता है, लेकिन किशोरावस्था में पहुंचते ही लड़कियों में सिरदर्द की समस्या लड़कों के मुकाबले ज्यादा होती है। महिलाओं में माइग्रेन की समस्या पुरुषों के मुकाबले तीन गुना ज्यादा होती है। उम्र के साथ यह समस्या बढ़ती जाती है। महिलाओं में पीरियड्स, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोन परिवर्तनों का माइग्रेन से सीधा संबंध है। गर्भनिरोधक दवाओं का सेवन भी माइग्रेन के खतरे को बढ़ा देता है।

सर्विकोजेनिक हेडेक: सर्विकोजेनिक हेडेक क्रॉनिक हेडेक का सबसे सामान्यकारण है। इसकी उत्पत्ति सर्वाइकल स्पाइन से होती है। यह केवल एक ओर होता है। बहुत कम मामलों में ही देखा जाता है कि यह मस्तिष्क की मध्य रेखा को पार करता है। गर्दन का पॉश्चर या गति ठीक नहीं रखने से यह और गंभीर हो जाता है। कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों में यह अक्सर देखा जाता है। अगर कंप्यूटर की स्क्रीन अधिक ऊंची है, तब गर्दन को ऊंचा करके देखना पड़ता है, जिससे सिरदर्द हो जाता है। गंभीर सर्विकोजेनिक हेडेक में ऑपरेशन की आवश्यकता भी पड़ सकती है।

सर्विकल स्पॉन्डिलोसिस: यह उम्र से संबंधित समस्या है, जो गर्दन के जोड़ों को प्रभावित करती है। सर्विकल स्पॉन्डिलोसिस सर्विकल स्पाइन की उपस्थितियों और हड्डियों में टूट-फूट के कारण होता है। इसे नेक अर्थराइटिस भी कहते हैं। यह 90त्न उन लोगों में होता है, जिनकी उम्र 65 वर्ष से अधिक होती है। यह गर्दन में लगी किसी चोट या आनुवंशिक कारणों से हो सकता है। इसके कारण सिरदर्द भी होता है।

माइग्रेन के प्रकार

माइग्रेन के दो प्रकार होते हैं, क्लासिकल और नॉन क्लासिकल। जब माइग्रेन का दर्द ऑरा यानी दृष्टि संबंधी गड़बड़ी के बाद शुरू होता है, तब इसे क्लासिकल माइग्रेन कहते हैं। क्लासिकल माइग्रेन में आमतौर पर सिरदर्द के 10-15 मिनट पहले ऑरा के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। जब सिरदर्द बिना 'ऑरा' और दूसरे लक्षणों के साथ शुरू होता है, तब इसे नॉन क्लासिकल या सामान्य माइग्रेन कहते हैं। सामान्य माइग्रेन बच्चों और किशोरों में अधिक होता है। माइग्रेन के जो कुल मामले देखे जाते हैं, उनमें से 70 से 85 प्रतिशत सामान्य माइग्रेन और 15 से 30 प्रतिशत क्लासिकल माइग्रेन वाले होते हैं। छोटे बच्चों में माइग्रेन के दौरे शाम को पड़ते हैं।

माइग्रेन के ट्रिगर

वैसे माइग्रेन के वास्तविक कारणों का पता नहीं है, पर देखा जाता है कि माइग्रेन एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होता है। मनोवैज्ञानिक समस्याएं जैसे उत्तेजना और गहरा अवसाद या न्यूरॉटिक डिसऑर्डर जैसे पक्षाघात और मिरगी भी माइग्रेन के खतरे को बढ़ा देते हैं।

कुछ अन्य ट्रिगर भी निम्न हैं..

तनाव और नींद की कमी। हार्मोंस में बदलाव विशेषकर महिलाओं में। सामान्य खान-पान की शैली में बदलाव। शुगर का स्तर कम हो जाना। कैफीन और अल्कोहल का सेवन। मौसम में बदलाव। गर्भनिरोधक गोलियां और अस्थमा का उपचार। यात्रा करना। कुछ खाद्य पदार्थ जैसे चॉकलेट, मांस, नूडल्स, बीयर, रेड वाइन आदि। शारीरिक क्षमता से अधिक कार्य या एक्सरसाइज करना। पूरी नींद ना लेना या रात में देर तक जागना या बहुत ज्यादा सोना। डीहाइड्रेशन।

लक्षण

माइग्रेन के लक्षण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बदलते रहते हैं, बच्चों में यह सिर के अगले भाग और दोनों तरफ के हिस्सों को प्रभावित करता है। किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था में दर्द सिर के एक हिस्से को प्रभावित करता है। माइग्रेन के सामान्य लक्षण इस प्रकार हैं.. तेज सिरदर्द के साथ चक्कर आना, जी मिचलाना, उल्टी होना या पेट दर्द। रोशनी और आवाजों के प्रति संवेदनशीलता। मस्तिष्क के एक भाग में धुक-धुक की आवाज के साथ तेज दर्द होना। ध्यान केंद्रित करने में समस्या होना। सोचने की क्षमता प्रभावित होना। कभी-कभी बोलते समय उपयुक्त शब्द की तलाश न कर पाना। त्वचा का पीला पड़ जाना। चक्कर आना। उल्टी होना या पेट दर्द।

प्रतीक की 'ख्वाबों का झमेला' अब ओटीटी पर

मुंबई। प्रतीक बब्बर को आखिरी बार फिल्म 'इंडिया लॉकडाउन' में देखा गया था, जो 2 दिसंबर, 2022 को जी5 पर रिलीज हुई थी। अब प्रतीक की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम 'ख्वाबों का झमेला' है। इस फिल्म में प्रतीक की जोड़ी अभिनेत्री सयानी गुप्ता के साथ बनी है। इस फिल्म का पहला पोस्टर सामने आ चुका है, जिसमें दोनों सितारों की झलक दिख रही है। 'ख्वाबों का झमेला' की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। प्रतीक की फिल्म 'ख्वाबों का झमेला' सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म का प्रीमियर 8 नवंबर से होगा।

लाइफ Style

रवीना

सिंघम के प्यार में करने वाली थीं आत्महत्या

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री रवीना टंडन 90 के दशक में बड़े पर्दे पर राज करती थीं और अपने करियर की दूसरी पारी में ओटीटी पर अपना दमखम दिखा रही हैं। 26 अक्टूबर को रवीना ने अपना 52वां जन्मदिन मनाया। अपनी पेशेवर जिंदगी के अलावा रवीना अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रही हैं। उन्होंने 22 फरवरी, 2004 को अनिल थडानी के साथ शादी की थी।

क्या आप जानते हैं रवीना अभिनेता अजय देवगन के प्यार में आत्यहत्या करने वाली थीं। एक समय ऐसा था, जब रवीना का नाम अजय के साथ जुड़ा। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम भी किया है, जिनमें एक नाम 'दिलवाले' का है। कहा जाता है कि फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों के नजदीकियां बढ़ीं और दोनों एक-दूजे से प्यार करने लगे। हालांकि, यह रिश्ता चला नहीं। जब दोनों अलग हुए तो रवीना ने आत्महत्या करने की कोशिश की थी।

जब ये खबरें आने लगीं थी तो अजय ने इसे पब्लिसिटी स्टंट बताया। अजय के अलावा रवीना का नाम अक्षय कुमार के साथ भी जुड़ा है। एक वक्त ऐसा था, जब दोनों के प्यार के किस्से बॉलीवुड गलियारों में छाए रहते थे। अक्षय-रवीना एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे और फिर इन्होंने शादी का फैसला लिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, अक्षय रवीना की सगाई तक हो गई थी, लेकिन अचानक किसी कारण दोनों की राहें जुदा हो गईं। इसके बाद अक्षय ने ट्विंकल खन्ना और रवीना ने अनिल से शादी कर ली।

हॉलीवुड मसाला

टाइटैनिक को लेकर किए खुलासे

लॉस एंजिल्स। ऑस्कर विजेता हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री केट विंसलेट ने 'टाइटैनिक' को लेकर खुलकर बात की है। इस दौरान उन्होंने 'टाइटैनिक' के मशहूर दरवाजे के दृश्य की भी चर्चा की। ऑस्ट्रेलियाई टॉक शो द प्रोजेक्ट पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि 'टाइटैनिक' के मशहूर दृश्य में दिखाया गया 'दरवाजा' वास्तव में दरवाजा नहीं था, बल्कि सेट का एक और हिस्सा था। पीपल डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार जब उनसे पूछा गया कि क्या सह-कलाकार लियोनार्डो डिकैप्रियो के लिए 'दरवाजे पर जगह' थी, तो विंसलेट ने कहा कि उन्हें पता था कि इंटरव्यू में मुझसे 'यह सवाल पूछा जाएगा।

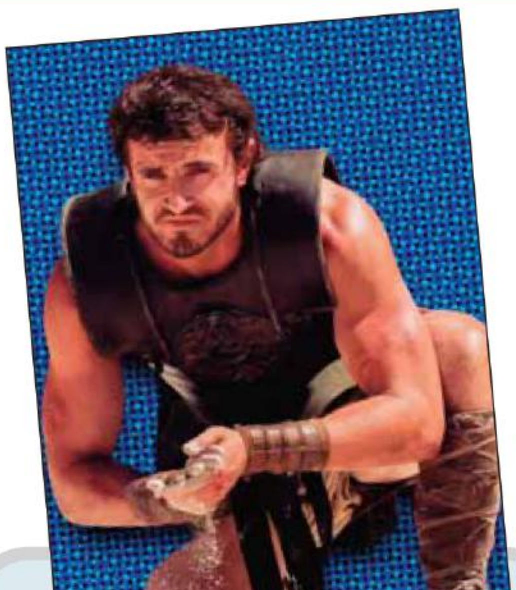

मसल्स बनाने के 'मजेदार' अनुभव का खुलासा...

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड स्टार पॉल मेस्कल ने बताया कि ग्लेडिएटर 2 में लूसियस की भूमिका के लिए मांसपेशियां बनाना उनके लिए मजेदार अनुभव था। इसके लिए उन्हें शराब और सिगरेट पर भी नियंत्रण करना पड़ा। उन्होंने द ग्राहम नॉर्टन शो पर कहा, मैंने बहुत सारा चिकन खाया और भारी चीजें उठाईं। पॉल के ट्रेनर ने भी उनके साथ कड़ी मेहनत की। जिसका परिणाम यह है कि मेस्कल की मसल्स इतनी बन चुकी है कि उनके सह-कलाकार पेड्रो पास्कल ने उन्हें "ब्रिक वॉल पॉल" का नाम दे दिया। पास्कल ने मजाक में कहा, पॉल इतने मजबूत हो गए कि अब मैं उनसे लड़ाई करने की बजाय इमारत से कूदना पसंद करूंगा। हालांकि, मेस्कल ने बताया कि उन्होंने अपनी फिटनेस में संतुलन भी बनाए रखा। उन्होंने कहा, मैंने ट्रेनर की बात मानी।

'बिग बॉस 18' से हुईं घर से बेघर...

मुंबई। अभिनेत्री मुस्कान बामने ने लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' में दमदार एंट्री ली। हालांकि, शो में वो कहीं गुम हो गईं। मुस्कान इस शो में ज्यादा योगदान नहीं दे सकीं और खेलों में भी सक्रिय रूप से शामिल नहीं हुईं। वह अन्य प्रतियोगियों के साथ जुड़ नहीं पाईं। अब मुस्कान को बिग बॉस ने घर से बाहर का रास्ता दिखाया है। हेमा शर्मा के साथ मुस्कान इस सीजन की दूसरी प्रतियोगी हैं, जिन्हें घर से बेघर किया गया है। मीडिया ने इस खबर की जानकारी देते हुए लिखा, 'घरवालों के लिए ये हमेशा रही प्यार और क्यूट, लेकिन अब मुस्कान को लेना होगा घर से बाहर निकलने का रूट।' बता दें मुस्कान टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 2017 में प्रसारित हुआ टीवी शो 'बकुला बुआ का भूत' के जरिए की थी।

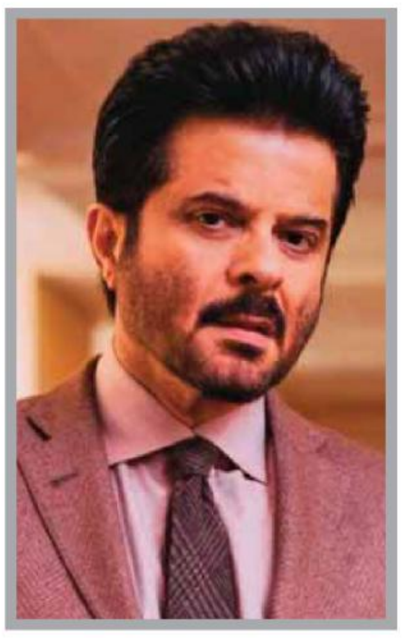

करोड़ों के विज्ञापन से इंकार की कर रहे तारीफ

मुंबई। अनिल कपूर से जुड़ी एक ऐसी खबर सामने आ रही है कि अभिनेता के प्रशंसक उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। दरअसल, अनिल ने पान मसाला का विज्ञापन करने से साफ इनकार कर दिया है। अनिल को पान मसाला का विज्ञापन करने का प्रस्ताव दिया गया और उन्हें इसके लिए करीब 10 करोड़ रुपये ऑफर किए गए थे, लेकिन नैतिक मूल्यों के चलते अनिल ने इस प्रस्ताव को तुरंत ठुकरा दिया। अनिल का मानना है कि पान मसाला का विज्ञापन करना एक कलाकार और एक व्यक्ति के रूप में उनके नैतिक मूल्यों के विपरीत है। अनिल के इस फैसले पर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं। एक यूजर ने लिखा, 'इंसान की पहचान उसके कर्मों से होती है।' एक अन्य ने लिखा, 'कुछ कलाकारों को इस मामले में अनिल से सीखना चाहिए।'

टीवी मसाला

टीवी पर लौट रहा सीआईडी, एसीपी प्रद्युमन की सामने आई पहली झलक

नई दिल्ली। सीआईडी एक आइकॉनिक क्राइम थ्रिलर ड्रामा है, जिसमें दर्शकों ने एसीपी प्रद्युमन और दया के रोल को खूब पसंद किया था। 90 के दशक के फैंस के लिए ये एक डेली टीवी शो था, जिसे देखने के लिए वो इंतजार करते थे, लेकिन 6 साल पहले ये शो अचानक खत्म हो गया था, जिससे फैंस काफी दुखी थे। हालांकि, मेकर्स ने 20 सालों तक दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले इस शो को वापस लाने का फैसला किया है, जिसकी एक झलक पहले प्रोमो में देखने को मिल चुकी है। एक बार फिर जनता को टीवी पर कल्ट किरदार देखने का मौका मिलने वाला है। इसमें एसीपी प्रद्युमन के अलावा इंस्पेक्टर दया और अभिजीत भी शामिल हैं। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, सीआईडी के नए सीजन की शूटिंग नवंबर 2024 से शुरू होने वाली है। दरअसल, लोगों की भारी मांग के बाद मेकर्स ने इस शो के नए सीजन को वापस लाने का फैसला किया है।

सीआईडी टीवी पर कब होगा रिलीज

सीआईडी की शुरुआत साल 1998 में सोनी टीवी पर हुई थी। 2018 तक इस शो ने दर्शकों का बिना रुके मनोरंजन किया। जिसके चलते सीआईडी एक कल्ट सीरियल बन गया। लोग आज भी इसके कलाकारों जैसे एसीपी प्रद्युमन और दया के बारे में बात करते हैं। अब ये जिक्र फिर बढ़ने वाला है, क्योंकि 6 साल के अंतराल के बाद सीआईडी सोनी टीवी पर वापसी करने जा रहा है। दरअसल, गुरुवार को सोनी टीवी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर सीआईडी के नए सीजन का पहला वीडियो शेयर किया है। जिसमें एसपी प्रद्युमन, इंस्पेक्टर दया और सीनियर इंस्पेक्टर अभिजीत की झलक देखने को मिल रही है। इस छोटे से प्रोमो वीडियो के साथ ही सीआईडी की अगली सीरीज का पहला प्रोमो वीडियो 26 अक्टूबर को सोनी टीवी पर लॉन्च किया गया। इसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

सीआईडी एक कल्ट शो

जिस तरह रामानंद सागर के पौराणिक शो रामायण और बीआर चोपड़ा की महाभारत को छोटे पर्दे पर कल्ट सीरियल माना जाता है, उसी आधार पर सीआईडी को भी वह दर्जा हासिल है। हर एपिसोड में सीआईडी की टीम एक दिलचस्प केस का सस्पेंस सुलझाती है, जिसे देखना फैंस को खूब पसंद आता है। उम्मीद है कि आने वाले सीजन में इस स्पाई थ्रिलर टीवी शो में और भी सस्पेंस देखने को मिलेगा।

नवाजुद्दीन अब आयुष्मान से लेंगे पंगा सनकी खलनायक बन मचाएंगे धमाल

मुंबई। नवाजुद्दीन सिद्दीकी की गिनती बॉलीवुड के मंझे हुए अभिनेताओं में होती है। वह अपनी उम्दा अदाकारी के चलते हर किरदार को जीवंत बना देते हैं। नवाजुद्दीन अपने लंबे फिल्मी करियर में अब तक कई अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभा चुके हैं और उन्हें खलनायक के रूप में भी खूब पसंद किया गया है। अब खबर है कि फिल्म 'थम्बा' में भी वह खलनायकी दिखाने वाले हैं। इस फिल्म में नवाजुद्दीन अभिनेता आयुष्मान खुराना से भिड़ते दिखेंगे।

अपनी खलनायकी से दर्शकों के होश उड़ाएंगे नवाज : पीपिंगमून की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म से नवाजुद्दीन जुड़ गए हैं। वह एक सनकी और हिंसक विलेन का किरदार निभाने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार कर रहे हैं। यह 'स्त्री 2' के निर्देशक अमर कौशिक के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म है, जिसका निर्देशन आदित्य सरपोतदार कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले 'मुंज्या' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दी थी। फिल्म में नवाजुद्दीन अपने खौफनाक और अनदेखे अवतार से दर्शकों का होश उड़ाने वाले हैं।

पर्दे पर आमने-सामने होंगे आयुष्मान और नवाजुद्दीन : इस फिल्म के हीरो आयुष्मान खुराना हैं। नवाजुद्दीन और आयुष्मान पर्दे पर एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। आयुष्मान इससे पहले भी दिनेश विजान के मैडॉक्स फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म 'बाला' में काम कर चुके हैं, जिसका निर्देशन अमर कौशिक ने ही किया था। फिल्म में आयुष्मान की जोड़ी रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। फिल्म में दोनों कलाकारों का अनोखा अंदाज देखने को मिलेगा। पहले आयुष्मान और रश्मिका अभिनीत इस फिल्म का नाम 'वैम्पायर्स ऑफ विजयनगर' रखा गया था।

माधुरी और विद्या ने 5 दिन में पूरी की 'आमी जय तोमर' की शूटिंग, 5 दिन में हुई थी 'आमी जय तोमर' की शूटिंग

मुंबई। कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी और विद्या बालन जैसे सितारों से सजी फिल्म 'भूल भुलैया 3' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म दिवाली के मौके पर यानी 1 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बीते दिन 'भूल भुलैया 3' का नया गाना 'आमी जय तोमर 3.0' रिलीज किया गया, जिसमें विद्या और माधुरी जबरदस्त डांस करती दिखीं। क्या आप जानते हैं इस गाने को शूट करने में कितने दिन लगे थे।

'भूल भुलैया' की तीसरी कड़ी है 'भूल भुलैया 3'

'भूल भुलैया 3' साल 2007 में आई हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया' की तीसरी कड़ी है। कार्तिक अभिनीत इसकी दूसरी किस्त 'भूल भुलैया 2' सुपरहिट थी। कार्तिक 'भूल भुलैया 3' में रूह बाबा बनकर वापसी कर रहे हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना अजय देवगन और रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' से होगा। यह फिल्म भी 1 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

निर्देशक ने कही ये बात

'भूल भुलैया 3' के निर्देशक अनीस बज्मी ने खुलासा किया कि 'आमी जय तोमर 3.0' गाने को 5 दिनों में शूट किया गया था। अनीस ने कहा, "हमने 5 दिनों में 'आमी जय तोमर 3.0' गाने की शूटिंग की थी। हम लोगों ने एक बड़ा सेट बनाया था, क्योंकि यह बहुत ही खास गाना है। हर कोई इस गाने को लेकर बहुत उत्साहित है। सेट पर हर कोई विद्या और माधुरी का प्रशंसक था।

आयुष्मान ने 'मिट्टी दी खुशबू' और 'पानी दा रंग' जैसे कई गाने गाए

बॉलीवुड के ये सितारे अभिनय के साथ गाने में भी माहिर, फिल्मों में लगा चुके सुर

मुंबई। बॉलीवुड में कई सितारे ऐसे हैं, जो बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। कुछ अभिनय के साथ-साथ गाने का हुनर भी रखते हैं। हाल ही में अभिनेता वेदांग रैना ने अपनी दूसरी फिल्म 'जिगरा' के टाइटल ट्रैक को अपनी आवाज दी। इससे पहले फिल्म 'द आर्चीज' में भी उन्होंने गाना गाया था। गायकी वेदांग का पहला प्यार है। इसी कड़ी में आइए हम आपको मिलवाएंगे उन बॉलीवुड अभिनेताओं से, जिन्हें गायकी का शौक है और वे अच्छे गायक भी हैं।

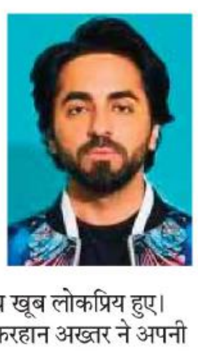

आयुष्मान खुराना : आयुष्मान खुराना एक बेहतरीन अभिनेता हैं। वह एक अच्छे एंकर भी हैं और लिखते भी बहुत अच्छा हैं। इन सबसे परे वह एक शानदार गायक हैं। इसका सबूत वह कई दफा दे चुके हैं। आयुष्मान ने अपनी कई फिल्मों में सुर लगाए हैं और वह अपने सिंगल गाने भी रिलीज कर चुके हैं। आयुष्मान ने 'मिट्टी दी खुशबू' और 'पानी दा रंग' जैसे कई गाने गाए, जो लोगों के बीच खूब लोकप्रिय हुए।

फरहान अख्तर : बॉलीवुड में फरहान अख्तर ने अपनी एक खास पहचान बनाई है। वह न सिर्फ एक बढ़िया अभिनेता हैं, बल्कि एक अच्छे निर्माता-निर्देशक भी हैं। अपनी आवाज को लेकर भी फरहान खूब चर्चा में रहते हैं। अपनी पहली फिल्म 'रॉक ऑन' के 'तुम हो तो' से लेकर 'दिल धड़कने दो' की 'गल्लां गुडियां' तक, वह कई हिट गानों से दर्शकों के बीच अपनी आवाज का जादू चला चुके हैं।

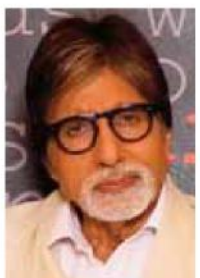

अमिताभ बच्चन : अमिताभ बच्चन ने पहली बार अपनी फिल्म 'लावारिस' के लिए गाना गाया था। उन्होंने इस फिल्म के गाने 'मेरे अंगने में' को अपनी आवाज दी थी। इसके बाद से वह 'सिलसिला, 'बागबां', 'महान', 'कभी खुशी कभी गम' और 'दिल्ली 6' जैसी कई फिल्मों में गाना गा चुके हैं। अमिताभ ने पिछली बार प्रभास और दीपिका पादुकोण अभिनीत फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में भी सुपर लगाए थे। उन्होंने इस फिल्म के गाने 'केशवा' को अपनी आवाज से सजाया था।

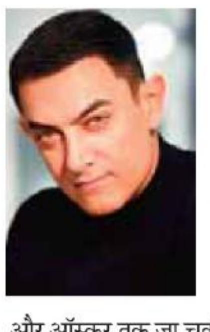

आमिर खान : आमिर खान को अभिनय में बेहद दिलचस्पी है, लेकिन गायकी के भी वह बराबर शौकीन हैं। उन्होंने पहली बार फिल्म 'गुलाम' में सुर लगाए थे। उनकी आवाज में गाया गाना 'आती क्या खंडाला' खूब हिट हुआ था। इसके बाद उन्होंने 3 राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी और ऑस्कर तक जा चुकी अपनी फिल्म 'तारे जमीन पर' के गाने 'बम बम बोले' में अपनी आवाज दी। 'देली बेली' का गाना 'आई हेट यू' और 'दंगल' का 'धाकड़' आमिर ने ही गाया था।

ऋतिक रोशन : *ऋतिक रोशन को भी गाने का शौक है। प्रशंसक उनकी आवाज में गाना सुनने के लिए उत्साहित रहते हैं। उन्होंने फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा का गाना 'सेनोरिटा' को अपनी आवाज दी थी। इसके बाद ऋतिक ने 'काइट्स' और फिल्म 'गुजारिश' में भी गाना गाया।*

ला लिगा : रॉबर्ट लेवानडोवस्की ने दागे दो गोल

बार्सिलोना की 4-0 से धमाकेदार जीत रियल की 42 मैचों के बाद पहली हार

एजेंसी ▶▶| बार्सीलोना

रॉबर्ट लेवानडोवस्की के दो गोल की मदद से बार्सिलोना ने ला लिगा फुटबॉल टूर्नामेंट में शनिवार रात को यहां रियल मैड्रिड पर 4-0 की एकतरफा जीत दर्ज की। इस हार के साथ मैड्रिड का ला लिगा में 42 मैच का अजेय अभियान भी थम गया। टीम 2017-18 में बनाए बार्सिलोना के रिकॉर्ड से एक मैच पीछे रह गई। कार्लो एंकेलोटी की टीम की पिछले साल 23 सितंबर से ला लिगा में यह पहली हार है।

पहला हाफ गोल रहित रहने के बाद लेवांदोवस्की (54वें और 56वें मिनट) ने तीन मिनट में दो गोल दागकर बार्सीलोना को 2-0 की बढ़त दिलाई। लेमिन यमाल (77वें मिनट) और राफिन्हा (84वें मिनट) ने भी इसके बाद गोल दागकर बार्सिलोना की आसान जीत सुनिश्चित की। अन्य मुकाबलों में विलारियल ने वेलाडेलिड को 2-1 से हराया जबकि रेयो वालेकानो और लास पालमास ने एल्वेस और गिरोना को 1-0 के समान अंतर से शिकस्त दी।

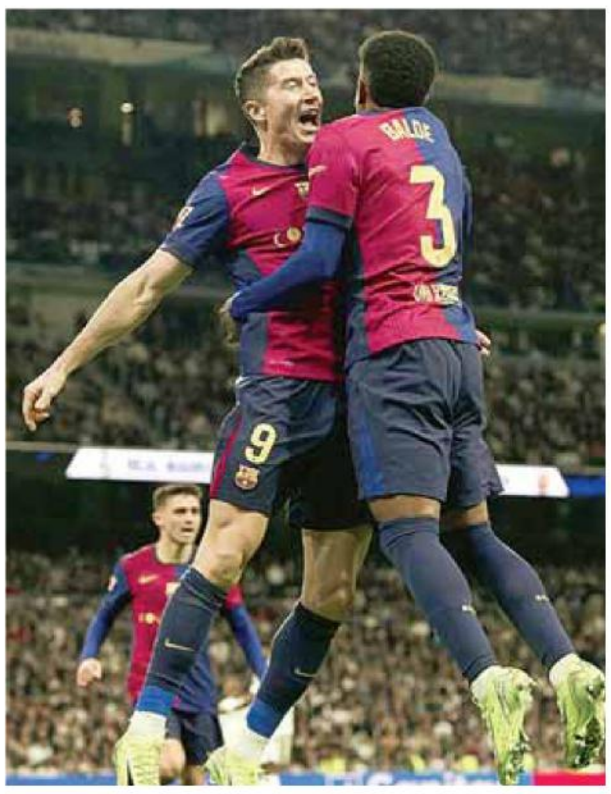

तीन सेकंड के भीतर ब्राजीलियन खिलाड़ी को लाल कार्ड

साओ पाउलो। ब्राजील के एक फुटबॉल खिलाड़ी को शीर्ष डिविजन मुकाबले में दौरान विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मारने के लिए मैच शुरू होने के तीन सेकंड के भीतर लाल कार्ड दिखाया गया। क्रुजेइरो के राफा सिल्वा ने एथलेटिको पेरेनाएंसे के केइके रोचा को मैच शुरू होते ही कोहनी मारी जिससे टीम को बाकी मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। रैफरी रोड्रिगो जोस परेरा डि लिमा ने क्रुजेइरो के 32 साल के खिलाड़ी सिल्वा को लाल कार्ड दिखाया जो फुटबॉल के इतिहास में सबसे जल्दी दिखाए गए लाल कार्ड में से एक है। क्रुजेइरो को इस मैच में 0-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

बेलोन डी'ओर आज : रोनाल्डो मेसी पहली बार दावेदार नहीं

मैनचेस्टर। वैश्विक फुटबॉल के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिए जाने वाले पुरस्कार 'बेलोन डी'ओर' का आयोजन जब सोमवार को होगा। पिछले कई वर्षों में ऐसा पहली बार होगा जबकि इस खेल के दो सबसे बड़े दिग्गजों में शामिल क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी दावेदारों में शामिल नहीं होंगे। अर्जेंटीना के मेसी और रोनाल्डो पिछले 16 बरस में 13 बार इस खिताब के विजेता रहे हैं लेकिन इस बार इन दोनों को नामांकन नहीं मिला है। मेसी उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल है जिन्होंने इस खिताब को लगातार दो साल जीता है। उन्होंने 2022 में अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाने के बाद अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए आठवीं बार इसे जीता था। इस खिताब को लेकर मेसी और रोनाल्डो के दबदबे को इसी से समझा जा सकता है कि फ्रांस के महान जिनेडिन जिडान सिर्फ एक बार इसके विजेता बने। रोनाल्डिन्हो, रिवाल्डो, लुइस फिगो और जॉर्ज बेस्ट के लिए भी यही बात लागू होती है।बोलोन डी'ओर फ्रांस की फुटबॉल पत्रिका द्वारा 1956 से दिया जाता है। फीफा रैंकिंग में शीर्ष 100 देशों के पत्रकारों के मतदान से इसके विजेता का चयन होता है।

विनीसियस सबसे बड़े दावेदार

इस बार के खिताब के लिए विनीसियस जूनियर को सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है। मेसी और रोनाल्डो का दबदबा ऐसा था कि विनीसियस के पास इस सदी में पैदा होने वाले पहले विजेता बनने का मौका होगा। इस खिताब को 1990 के दशक में पैदा हुए किसी खिलाड़ी ने भी नहीं जीता है। विनीसियस के साथ रोड्री, किलियान एमबापे, एर्लिंग हैलैंड, जुड बेलिंगहैम और लैमिन यमाल भी खिताब की दौड़ में होंगे।

रणजी ट्रॉफी

जम्मू कश्मीर ने सेना को पारी के अंतर से हराया

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

तेज गेंदबाज उमर नजीर मीर के छह विकेट की मदद से जम्मू कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के मैच में रविवार को यहां सेना को पारी और 25 रन से हराया। जम्मू कश्मीर ने अपनी पहली पारी में 228 रन बनाकर 157 रन की बढ़त हासिल की। पहली पारी में केवल 71 रन बनाने वाली सेना की टीम दूसरी पारी में 132 रन पर आउट हो गई। मीर ने 53 रन देकर छह विकेट लिए। सेना की तरफ से केवल शुभम रोहिल्ला (47), जयंत गोयत (27) और अरुण कुमार (20) ही दोहरे अंक तक पहुंचने में सफल रहे। अगरतला में गत चैंपियन मुंबई ने निचले क्रम के बल्लेबाजों शम्स मुलानी (71), हिमांशु सिंह (59) और शार्दुल ठाकुर (62) के अर्धशतकों की मदद से त्रिपुरा के खिलाफ अपनी पहली पारी में 450 रन का मजबूत स्कोर बनाया।

कुणाल, शिवालिक, विष्णु शतक से चूके

वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले जा रहे मैच में क्रुणाल पंड्या ने नाबाद 88 रन बनाए, जबकि शिवालिक शर्मा (96) और शिवालिक सोलंकी (98) शतक से चूक गए, लेकिन इन तीनों के शानदार प्रदर्शन से अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे बड़ौदा ने ओडिशा के खिलाफ अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 354 रन बनाए। बड़ौदा ने इस तरह से 161 रन की बढ़त हासिल कर ली है। ओडिशा की टीम पहली पारी में 193 रन पर आउट हो गई थी।

खबर संक्षेप

मोदी ने कहा, एरिगेसी अभूतपूर्व खिलाड़ी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लाइव शतरंज रेटिंग में अर्जुन एरिगेसी के 2800 अंक पार करने को 'अभूतपूर्व उपलब्धि' बताया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'लाइव शतरंज रेटिंग में 2800 अंक का आंकड़ा पार करने के लिए अर्जुन एरिगेसी को बधाई! यह एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। उनकी असाधारण प्रतिभा और दृढ़ता हमारे पूरे देश को गौरवांवित करती है। एक महान व्यक्तिगत उपलब्धि होने के अलावा, यह कई और युवाओं को शतरंज खेलने और वैश्विक मंच पर चमकने के लिए प्रेरित करेगा। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं।'

कोहली की फॉर्म चिंता का विषय नहीं: डूल

पुणे। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने टेस्ट श्रृंखला में भारत की हार के लिए उसके बल्लेबाजों की स्पिन गेंदबाजी को खेलने की कमजोरी को जिम्मेदार ठहराया, लेकिन उन्होंने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को चुका हुआ मानने से इनकार कर दिया। बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर के 13 विकेट की मदद से कीवी टीम ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में भारत को 113 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की।

खचानोव की ड्रेपर से होगी खिताबी भिड़ंत

विएना। केरेन खचानोव ने उलटफेर करते हुए दूसरे वरीय एलेक्स डि मिनोर को सीधे सेट में हराकर एर्स्टे बैंक टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। पिछले हफ्ते अल्माटी में खिताब जीतने वाले खचानोव ने डि मिनोर को सेमीफाइनल में 6-2, 6-4 से हराया। खचानोव की नजरें अब करियर के आठवें और साल के तीसरे एटीपी खिताब पर टिकी हैं। खचानोव ने अंतिम चार के मुकाबले में इटली के लोरेंजो मुसेटी को सीधे सेट में 6-2, 6-4 से शिकस्त दी।

वनडे क्रिकेट

लुईस के नाबाद शतक से जीता वेस्टइंडीज

एजेंसी ▶▶| पाल्लेकल

एविन लुईस के नाबाद 102 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने शनिवार को वर्षा से प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। श्रीलंका ने 2-1 से श्रृंखला जीती। वर्ष 2021 से अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे लुईस ने छक्के के साथ 61 गेंद में अपना पांचवां शतक पूरा किया और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 156 रन बनाए थे लेकिन इसके बाद बारिश के कारण पांच घंटे खेल रुका रहा और मैच को 23 ओवर का कर दिया गया। वेस्टइंडीज को 195 रन का लक्ष्य मिला और टीम ने 22 ओवर में दो विकेट पर 196 रन बनाकर जीत दर्ज की।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने 36 रन के स्कोर पर ब्रेंडन किंग (16) का विकेट गंवा दिया। लुईस और कप्तान शाई होप (22) ने दूसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़कर पारी को संवारा। होप के आउट होने के बाद लुईस और शेरफेन रदरफोर्ड (नाबाद 50) ने मोर्चा संभाला और एक ओवर शेष रहते टीम को जीत दिलाई दी। रदरफोर्ड ने सिर्फ 26 गेंद में अपना चौथा अर्धशतक पूरा किया।

दिल्ली की टीम 116 रन से पीछे

नई दिल्ली। दिल्ली की बल्ले से परेशानी का सिलसिला फिर जारी रहा जिससे रविवार को यहां असम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में यश ढुल और हिम्मत

सिंह जैसे बल्लेबाज अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में बदलने में विफल रहे जिससे स्टंप तक टीम का स्कोर छह विकेट पर 214 रन रहा। असम ने सुबह छह विकेट पर 264 रन से खेलना शुरू किया और पारी 330 रन पर समाप्त की। विकेटकीपर सुमित घड़ीगांवकर ने 237 गेंद में 162 रन बनाए। स्टंप तक दिल्ली का स्कोर छह विकेट पर 214 रन था जिससे वह असम से पहली पारी के आधार पर 116 रन से पीछे थी। पहली बार टेस्ट टीम में शामिल हुए राणा ने 19.3 ओवर में 80 रन देकर पांच विकेट झटके।

परिवर्तन के मुश्किल दौर से गुजर रहा भारत

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच में हार के बाद भारत का अगले साल जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाना अधर में लटक गया है। अगर वह लगातार तीसरी बार इसमें सफल भी रहता है तो डब्लूटीसी के अगले दो साल के चक्र के लिए कप्तान रोहित शर्मा का टीम में बने रहना मुश्किल लगता है। यही बात रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और विराट कोहली पर भी लागू होती है। अश्विन तब 41 साल जबकि जडेजा और कोहली 39 साल के हो जाएंगे। न्यूजीलैंड के हाथों शर्मनाक हार के बाद कुछ सीनियर खिलाड़ियों पर उंगलियां उठने लगी हैं। कम से कम चार विश्व स्तरीय क्रिकेटर अगले दो साल में खेल को अलविदा कह देंगे और ऐसे में गंभीर कोच के रूप में अविश्वसनीय स्थिति में हैं। भारत के पास बल्लेबाजी में कई विकल्प हैं लेकिन गेंदबाजी के मामले में ऐसा नहीं कहा जा सकता।

भारत ने जापान पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में जीते 24 पदक

एजेंसी ▶▶| टोक्यो

शिवराजन सोलईमलई और सुकांत कदम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को जापान पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 24 पदक जीते। भारत ने छह स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य पदक जीते।

शिवराजन को दोहरी सफलता मिली। उन्होंने पुरुष एकल एसएच6 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा पुरुष युगल में सुदर्शन श्रवणकुमार मुथुसामी के साथ मिलकर खिताब जीता। सुकांत ने पुरुष एकल (एसएल4) में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा पुरुष युगल (एसएल3-एसएल4) में दिनेश राजैया के साथ मिलकर रजत पदक जीता। उन्होंने एकल फाइनल में साथी भारतीय खिलाड़ी तरूण को 21-12, 21-10 से हराया। नवीन शिवकुमार और सूर्यकांत यादव को कांस्य पदक मिले। पुरुष युगल फाइनल में सुकांत और दिनेश को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उमेश विक्रम कुमार और सूर्यकांत यादव की हमवतन जोड़ी के खिलाफ 5-21, 22-20, 16-21 की हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

बेन्सन और रीना ने जीती कोच्चि मैराथन

कोच्चि। केरल के सीबी बेन्सन और रीना मनोहर ने रविवार को यहां कोच्चि स्पाइस कोस्ट मैराथन 2024 में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का खिताब जीता। बेन्सन ने 42.2 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे 42 सेकंड में तय की। पिछले दो अवसरों पर वह दूसरे स्थान पर रहे थे। जस्टिन (03:06:56) और श्रीनिधि श्रीकुमार (03:08:49) ने दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। महिलाओं में रीना ने 04:50:06 का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। मैरी जोशी (04:53:59) और निलीना बाबू (04:54:32) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रही। इस प्रतियोगिता के ब्रांड एंबेसडर सचिन तेंदुलकर हैं जो मैराथन के दौरान प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाने के लिए यहां उपस्थित थे।

टर्निंग पिचों पर खेलने से बल्लेबाज हुए प्रभावित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि भारत के स्टार बल्लेबाजों ने पिछले कुछ वर्षों में टर्निंग पिचों पर खेलने से अपना आत्मविश्वास खो दिया है जिससे उनके घरेलू औसत में गिरावट आई है और उनके करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। हरभजन ने कहा, 'आपका घरेलू मैदान पर इतने लंबे समय तक शानदार रिकॉर्ड रहा है और अगर आप हार जाते हैं तो जाहिर है कि चर्चा होगी।'

हरभजन ने कहा, न्यूजीलैंड जिस तरह से खेला, उसे उसका श्रेय जाता है और ये विदेशी परिस्थितियां थीं और ऐसी पिच भी नहीं थी जिसमें ज्यादा दरार हो। यह स्पिनरों के लिए अनुकूल परिस्थितियां थीं, जहां गेंद को पहले घंटे से ही टर्न लेना चाहिए था। हमारे बल्लेबाजों ने इन पिचों पर खेलते हुए आत्मविश्वास खो दिया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण अजिंक्य रहाणे हैं जो एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। इस तरह की पिचों के कारण उनका करियर प्रभावित हुआ।'

झेंग बनीं टोरे पैन चैंपियन...

टोक्यो। चीन की शीर्ष वरीय किनवेन झेंग ने रविवार को यहां अमेरिका की वाइल्डकार्डधारी सोफिया केनिन को 7-6 (5), 6-3 से हराकर टोरे पैन पैसिफिक ओपन का खिताब जीता और अगले महीने होने वाले डब्लूटीए फाइनल्स में जगह बनाई। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली सातवें नंबर की खिलाड़ी झेंग ने 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन पर एक घंटे 52 मिनट में मिली जीत के दौरान 16 ऐस लगाए और सिर्फ एक ब्रेक प्वाइंट का सामना किया। इस साल यह 22 वर्षीय झेंग का तीसरा खिताब है और पिछले साल हांग्झोउ में जीतने के बाद हार्डकोर्ट पर यह उनका पहला खिताब है। डब्लूटीए फाइनल दो नवंबर को सऊदी अरब के रियाद में शुरू होगा।

बोर्ड ने रिजवान को सौंपी नई जिम्मेदारी

रिजवान बने पाकिस्तान के वनडे-टी20 टीम के कप्तान

एजेंसी ▶▶| लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान टीम के वनडे और टी20 टीम के नए कप्तान का ऐलान कर दिया है। बोर्ड ने मोहम्मद रिजवान को सफेद गेंद प्रारूप का नया कप्तान नियुक्त किया है। वह अगले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर यह जिम्मेदारी संभालेंगे।

बता दें कि, टी20 विश्व कप 2024 में खराब प्रदर्शन के बाद बाबर आजम ने पाकिस्तान की वनडे और टी20 की कप्तानी छोड़ दी थी। अब बोर्ड ने रिजवान को नई जिम्मेदारी सौंपी है। वह पहली बार पाकिस्तान की वनडे और टी20 टीम के कप्तान बनाए गए हैं।

बाबर, शाहीन और नसीम की वापसी

रविवार को बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे दौरे के लिए टीम का भी ऐलान किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे और टी20 सीरीज के लिए चुने गए स्क्वॉड में बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को भी शामिल किया गया है। तीनों को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के अंतिम दो मुकाबलों से बाहर कर दिया गया था। मालूम हो कि, रिजवान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज में नजर आएंगे। इसके अलावा जिम्बाब्वे दौरे पर वह सिर्फ वनडे सीरीज में नजर आएंगे, टी20 सीरीज के लिए उन्हें आराम दिया गया है।

केंद्रीय अनुबंधः शाहीन खिसके फखर, इफ्तिखार, मीर बाहर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को 2024-25 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध में तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को ए वर्ग से हटाकर बी वर्ग में खिसका दिया जबकि सीनियर खिलाड़ियों फखर जमां, इफ्तिखार अहमद और ओसामा मीर को अनुबंध नहीं दिया। बोर्ड ने कुल 25 खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध दिए हैं जबकि पिछले साल 27 खिलाड़ियों को अनुबंध पेश किया था। पिछले साल की तरह पीसीबी ने तीन महीने के बाद अनुबंध की घोषणा की।

केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी

- *ए वर्ग (2): बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान*
- *बी वर्ग (3): नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी और शान मसूद*
- *सी वर्ग (9): अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, नोमान अली, सैम अयूब, साजिद खान, सलमान अली आगा, सऊद शकील और शादाब खान डी वर्ग (11): आमिर जमाल, हसीबुल्लाह, कामरान गुलाम, खुर्रम शहजाद, मीर हमजा, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद अली, मोहम्मद हुरैरा, मुहम्मद इरफान खान, मोहम्मद वसीम जूनियर और उस्मान खान।*

डब्लूटीटी चैंपियंस में मनिका क्वार्टर में हारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा क्वार्टर फाइनल में चीन की कियान टियानयी के खिलाफ सीधे गेम में हार के साथ फ्रांस के मोंटपेलियर में चल रहे डब्लूटीटी चैंपियंस टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

दुनिया की 30वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी को शनिवार रात हुए मुकाबले में सिर्फ 25 मिनट में टियानयी के खिलाफ 8-11, 8-11, 10-12 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमंडल खेलों में कई पदक जीतने वाली मनिका ने तीनों गेम में विरोधी खिलाड़ी को अच्छी टक्कर दी लेकिन चीन की खिलाड़ी ने महत्वपूर्ण अंकों पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

'डिजिटल अरेस्ट' पर पीएम मोदी ने देश को किया आगाह

बच के रहना रे बाबा! रुको, समझो और फिर एक्शन लो

पीएम मोदी ने 'मन की बात' के 115 वें एपिसोड में बताया कि 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी कैसे की जा रही?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम मोदी ने 'मन की बात' के 115वें एपिसोड में विस्तार से बताया कि 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी कैसे की जाती है? पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी को लेकर देशवासियों को चेताते हुए कहा कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन पर धमकी देकर पैसे नहीं मांगतीं।

इस तरह की धोखाधड़ी में संलिप्त लोग पुलिस, सीबीआई, आरबीआई या नारकोटिक्स अधिकारी बनकर लोगों को डराने की कोशिश करते हैं। इसमें पहला कदम आपका निजी जानकारी जुटाना है। दूसरा कदम भय का वातावरण बनाना है और तीसरा है वक्त का दबाव। लोग इतने डर जाते हैं कि सोचने-समझने की शक्ति खो बैठते हैं। इस तरह की धोखाधड़ी के शिकार सभी उम्र और वर्गों से हैं।

सतर्कता बरतें, फोन कॉल्स रिकॉर्ड करें

आपका पहला कदम होना चाहिए निजी जानकारी को जुटाना

पीएम मोदी ने नागरिकों से आग्रह किया कि अगर किसी को इस तरह का कॉल आता है तो वे घबराएं नहीं। उन्होंने कह कि ऐसे मामलों में डिजिटल सुरक्षा के तीन कदम होते हैं- रुकें, सोचें और कार्रवाई करें। अगर संभव हो, स्क्रीनशॉट लें और रिकॉर्डिंग करें। पीएम ने जनता से ऐसे फ्रॉड को रोकने के लिए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करने के लिए कहा है और पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले रिकॉर्ड करके पुलिस और साइबर सुरक्षा एजेंसियों को सूचित किया जाना चाहिए।

देशभर में बढ़ रही 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी

भारत में 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। पिछले महीने, वर्धमान समूह के चेयरमैन एसपी ओसवाल से साइबर अपराधियों ने 'डिजिटल हिरासत' में लेते हुए 7 करोड़ की ठगी कर ली। अपराधियों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बता2 दिन तक 'डिजिटल सर्विलांस' में रखा।

अब आत्मनिर्भर भारत अभियान एक जन-आंदोलन बन गया

पीएम मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भरता हमारी नीति ही नहीं, हमारा जुनून बन गया है। बहुत साल नहीं हुए, सिर्फ 10 साल पहले की बात है, तब अगर कोई कहता था कि भारत में कोई जटिल तकनीक विकसित की जा रही है तो कई लोगों को विश्वास नहीं होता था, तो कई उपहास उड़ते थे। लेकिन आज वही लोग, देश की सफलता को देखकर अचंभे में रहते हैं। आत्मनिर्भर हो रहा भारत हर क्षेत्र में कमाल कर रहा है। अब आत्मनिर्भर भारत अभियान एक जन-आंदोलन बनता जा रहा है। पीएम मोदी ने भारत के एनिमेटेड किरदार की बात की और कहा कि भारत एनिमेशन के क्षेत्र में क्रांति लाने की राह पर है।

देश को इनोवेशन का ग्लोबल पावरहाउस बनाएंगे

आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने पीएमने कहा कि त्योहारों के मौसम में हम सब आत्मनिर्भर भारत के इस अभियान को और मजबूत करते हैं। हम वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ अपनी खरीदारी करते हैं। यह नया भारत है जहां मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड बन गया है। हमें न सिर्फ भारत को आत्मनिर्भर बनाना है बल्कि अपने देश को इनोवेशन के ग्लोबल पावरहाउस के रूप में स्थापित करना है।

वैज्ञानिकों का कमाल लद्दाख में एशिया के सबसे बड़े 'इमेजिंग टेलीस्कोप मैस' का किया था उद्घाटन

पीएम ने कहा कि इसी महीने हमने लद्दाख के हान्ले में एशिया के सबसे बड़े 'इमेजिंग टेलीस्कोप एमएसीई' का उद्घाटन किया। यह 4300 मीटर की ऊंचाई पर है। एक ऐसी जगह जहां ठंड -30 डिग्री से भी कम है। हमारे वैज्ञानिकों और स्थानीय उद्योग ने वो कर दिखाया है जो एशिया के किसी और देश ने नहीं किया। हान्ले टेलिस्कोप भले ही दूर की दुनिया देख रहा हो, लेकिन ये हमें आत्मनिर्भर भारत की ताकत भी दिखा रहा है।

खबर संक्षेप

प्रियंका ने चुनावी हलफनामे में छिपाई संपत्ति

नई दिल्ली। भाजपा ने यह दावा किया है कि वायनाड सीट से चुनाव लड़ रहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अपने चुनावी हलफनामे में कई जानकारियां छिपाई हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि गांधी परिवार के सदस्य खुद को कानून से ऊपर समझते हैं और प्रियंका ने चुनावी हलफनामे में अपनी और अपने पति रॉबर्ट वाड्रा की संपत्ति का पूरा खुलासा नहीं किया है।

क्रिकेटर ईशान के पिता जेडीयू में शामिल

पटना। देश के जाने-माने क्रिकेटर ईशान किशन के पिता ई. प्रणव कुमार पांडे उर्फ चुन्नू के जनता दल यूनाइटेड में शामिल होने की खबर है। समर्थकों के साथ पटना के प्रदेश जदयू कार्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। यहां जदयू का मिलन समारोह रखा गया है। प्रणव कुमार पांडे की मां सावित्री शर्मा नवादा की जानी मानी महिला चिकित्सक हैं।

ठेकेदार से रिश्वत लेते वन अधिकारी धरा गया

अमरेली। एंटी करप्शन ब्यूरो ने एक बार फिर रिश्वतखोर अफसर को रंगे हाथों पकड़ा है। मामला गुजरात के अमरेली जिले का है। यहां एक रेंज वन अधिकारी और एक अन्य शख्स को एक ठेकेदार से 2 लाख की रिश्वत लेते पकड़ा है। ठेकेदार ने राजुला में वन विभाग में निर्माण कार्य के वार्षिक अनुबंध के लिए सुरक्षा के रूप में जमा राशि जारी कराने रिश्वत दी थी।

हॉस्टल की तीसरी मंजिल से गिरकर छात्रा की मौत

शिमला। हिमाचल के एक निजी शिक्षण संस्थान के हॉस्टल की तीसरी मंजिल से बुधवार रात को गिरकर घायल हुई प्रशिक्षु छात्रा की शुक्रवार रात को नेरचौक मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। शनिवार को सुंदरनगर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। छात्रा अंजना ठाकुर के परिजनों ने उसे बालकनी से गिराने की आशंका जताई है।

ठगों ने 8 लाख रुपए करवा लिए ट्रांसफर

नोएडा। साइबर अपराधियों ने सेक्टर-46 निवासी सुरेंद्र पाल वशिष्ठ को पार्सल पकड़े जाने की सूचना देकर जांच के नाम पर डिजिटल अरेस्ट किया। जांच में मानव तस्करी केस में फंसाने का डर दिखाकर 8 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। पीड़ित को करीब 3 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया। पुलिस ने सेक्टर-36 साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा के सदस्यता अभियान का किया शुभारंभ

सीमापार 'घुसपैठ' यहां की सबसे बड़ी समस्या और हम इसे रोकेंगे

पेट्रोपोल भू-पत्तन पर नए यात्री टर्मिनल और मैत्री द्वार का किया उद्घाटन

बैठक में भाजपा नेताओं को दी नसीहत

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश से सीमा पार घुसपैठ बंद होने पर ही पश्चिम बंगाल में शांति स्थापित हो सकती है। शाह ने दावा किया कि अगर भाजपा 2026 में पश्चिम बंगाल में सत्ता में आई तो पड़ोसी देश से अवैध आव्रजन रोका जाएगा। शाह ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर पेट्रोपोल भू-पत्तन पर नए यात्री टर्मिनल और एक मैत्री द्वार का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में ये बात कही।

अमित शाह ने कहा कि 'क्षेत्र में शांति स्थापित करने में भू पत्तन अहम भूमिका निभाते हैं। जब सीमा पार लोगों की वैध आवाजाही की कोई गुंजाइश नहीं होती है, तो आवाजाही के अवैध तरीके सामने आते हैं, जिसका असर देश की शांति पर पड़ता है। मैं बंगाल के लोगों से आग्रह करता हूं कि 2026 में परिवर्तन लाएं और हम घुसपैठ रोकेंगे तथा शांति स्थापित करेंगे। दोनों देशों के बीच संबंध तथा संपर्क सुधारने में भूमि बंदरगाह अहम भूमिका निभाते हैं, व्यापार संबंध भी बढ़ाते हैं।

बेनापोल क्रॉसिंग 70% कारोबार का जरिया

भारत की पेट्रापोल और बांग्लादेश की बेनापोल क्रॉसिंग व्यापार और यात्री आवागमन दोनों ही नजरिए से दोनों देशों के लिए सबसे अहम जमीनी सीमा चौकियों में से एक है। दोनों देशों के बीच लगभग जमीन के जरिए होने वाला 70 फीसदी कारोबार इसी से होता है। यह गृह मंत्रालय की एक शाखा भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण के तहत काम करता है। यह भारत का 8वां सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय आव्रजन बंदरगाह भी है। यह भारत और बांग्लादेश के बीच सालाना 23.5 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही की सुविधा देता है।

शनिवार देर रात पहुंचे

केंद्रीय गृह मंत्री शाह शनिवार देर रात कोलकाता पहुंचे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। शाह ने कोलकाता में एक संगठनात्मक बैठक भी की। शाह की कोलकाता यात्रा के बारे में भाजपा नेताओं ने बताया कि शाह यहां भाजपा के सदस्यता अभियान का शुभारंभ भी करेंगे।

शाह ने भरी हुंकार

महाराष्ट्र-झारखंड में बनेगी भाजपा सरकार अब 'दीदी' भी मुगालते में न रहें

शाह ने कहा कि 2026 में बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी और बंगाल में भारी बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनेगी और बंगाल को सोनार बांग्ला बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बंगाल को कम्युनिस्ट और ममता के आतंक से मुक्त करना होगा। इसके लिए भाजपा सरकार को बनाना होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र में तीसरी बार मोदी जी सरकार बनी है और हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। बंगाल में भाजपा की कुछ सीटें कम आई। ममता दीदी की मुगालते में नहीं रहें। 2 सीट लाने के बाद 370 लाने और हटाने का काम भाजपा ने किया है। हम वह पार्टी हैं, जो देश के लिए काम करती है, भतीजे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं है। बंगाल को भाजपा का गढ़ बनाना हमारा उद्देश्य है।

एक करोड़ भाजपा का सदस्य बनाने का किया आह्वान

शाह कहा कि सभी राजनीतिक दल जाति के आधार पर चलती है, लेकिन भाजपा एकमात्र पार्टी हैं, जिसका एक आम कार्यकर्ता भी प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सदस्य बनते हैं तो इस देश को महान बनाने और देश की सुरक्षा के संकल्प के साथ अपने-आप को झोंक देते हैं। करोड़ लोगों के कल्याण के साथ अपने को जोड़ देते हैं। भारत माता को विश्वगुरु बनाने का संकल्प लेते हैं। बंगाल की जनता और युवाओं को कहने आया हूं कि भाजपा का सदस्य बनें और सोनार बांग्ला बनाने की प्रक्रिया बनाने में जुटें। हम बंगाल को कम्युनिस्ट और ममता दीदी के आतंक से मुक्त दिलाएंगे।

बंगाल में कोई सुरक्षित नहीं, रवींद्र संगीत की जगह बम धमाके गूंज रहे

उन्होंने कहा कि संदेशखाली, आरजी कार की घटनाएं साबित करती हैं कि बंगाल में हमारी माताएं, बहनें सुरक्षित नहीं हैं। बंगाल में राज्य प्रायोजित घुसपैठ, भ्रष्टाचार को रोकने का एकमात्र तरीका भाजपा को सरकार बनाने के लिए चुनना है। उन्होंने कहा कि राज्य समर्थित घुसपैठ को रोकना है। बंगाल में रवींद्र संगीत की जगह बम धमाके सुनाई देते हैं, तो इसके रोकने का एक मात्र रास्ता बंगाल में भाजपा की सरकार बनाना है।

लखनऊ के होटलों को उड़ाने की धमकी

मुझे 55,000 डॉलर दो नहीं तो हम उन्हें बम से उड़ा देंगे

होटल के परिसर में काले रंग के बैग में बम रखे गए हैं

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

विमान और स्कूलों के बाद अब लखनऊ के कई होटलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जिन होटलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली हैं, उनमें मैरियट, सरका, पिकाडिली, कम्फर्ट विस्टा, फॉर्च्यून, लेमन ट्री, क्लार्क अवध, कासा, दयाल गेटवे और सिल्वेट का नाम शामिल है।

ईमेल में धमकी दी गई थी कि अगर 55,000 डॉलर (4,624,288 रुपए) की फिरौती की मांग पूरी नहीं की गई तो धमाका कर दिया जाएगा। बम की धमकी भरे इस ईमेल में लिखा है कि आपके होटल के परिसर में काले बैग में बम छिपाए गए हैं। मुझे 55,000 डॉलर चाहिए, नहीं तो मैं विस्फोटकों को विस्फोट कर दूंगा और खून चारों ओर फैल जाएगा। बमों को डिफ्यूज करने की कोई भी कोशिश उनमें विस्फोट कर देगा।

पुलिस मामले की जांच में जुटी

होटलों को मेल मिलने के बाद संचालकों ने पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, डॉग स्क्ववाड और बम निरोधक दस्ते की टीम होटलों में पहुंचकर जांच कर रही है। अब तक की गई जांच में कुछ भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

गुजरात में भी मिली थी धमकी

इससे एक दिन पहले गुजरात के राजकोट शहर में कम से कम दस होटलों को बम की धमकी वाले ई-मेल मिले थे, जो बाद में फर्जी निकले। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के पुलिस इंस्पेक्टर एसएम जडेजा ने बताया कि होटलों को शनिवार दोपहर करीब 12.45 बजे ईमेल मिले, जिसके बाद पुलिस ने बम निरोधक दस्ते के साथ इन परिसरों की गहन तलाशी ली। उन्होंने बताया कि धमकी भरा ईमेल भेजने वाले ने खुद को कान डेन बताते हुए दावा किया कि उसने 10 होटलों में बम लगा रखे हैं और कुछ ही घंटों में ये बम फट जाएंगे।

गुजरात टूरिज्म को बढ़ावा

एशियाई शेरों के 'दूसरे घर' बरडा अभयारण्य का शुभारंभ कल होगा

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

गुजरात में पर्यटकों के लिए नया स्थल जुड़ने जा रहा है। 29 अक्टूबर को देवभूमि द्वारका का कपुरडी चेकपोस्ट पर एशियाई शेरों का दूसरा नया अभयारण यानी बरडा वन्यजीव अभयारण्य तथा बरडा जंगल सफारी फेज-1 का शुरू होगा।

राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री मुलुभाई बेरा मंगलवार को इसका शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर सांसद पूनमबेन माडम, देवभूमिक द्वारका एवं विधायक उपस्थित रहेंगे। प्रधान मुख्य वन्यजीव संरक्षक एन. श्रीवास्तव ने बताया कि एशियाई शेर विश्व में बहुत विख्यात तथा केवल गुजरात के जूनागढ फॉरेस्ट रेंज में देखने को मिलते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा सीएमभूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में वन्यजीवों का संरक्षण व संवर्धन हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप अब बरडा की टेकरियों में भी नागरिकों-पर्यटकों को एशियाई शेर दिखाई देंगे।

मंडी जिले की चौहारघाटी के वरधाण में हादसा

हिमाचल में भीषण सड़क हादसा

कार खाई में गिरी, शादी समारोह के बाद लौट रहे 5 युवकों की मौत

एजेंसी ▶▶ मंडी

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला की चौहारघाटी के वरधाण में एक मारुति कार गहरी ढांक में लुढ़क गई जिससे कार में सवार 5 युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह भयानक हादसा शनिवार देर रात का है।

सभी युवक धम च्याण गांव के रहने वाले थे। वे बरोट में शादी समारोह में गए थे। देर रात को घर लौटते समय यह हादसा हो गया। भेड़पालक ने सड़क से करीब 700 मीटर नीचे खेतों में लुढ़की कार देखी। पंचायत प्रतिनिधियों ने इसकी जानकारी टिक्कन पुलिस चौकी को दी।

सुक्खू ने दिया मदद का भरोसा

मृतकों की पहचान राजेश, गंगू, कर्ण, सागर और अजय के रूप में हुई है। मृतकों की उम्र 16से 30 वर्ष के बीच है। शवों को निकालने के लिए ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया है।सीएम ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शोक व्यक्त किया। प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया।

डल झील में महिलाओं का नौकायन

श्रीनगर। रविवार को श्रीनगर की डल झील में महिलाओं ने नौका दौड़ में भाग लिया।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विदेश मंत्री जयशंकर बोले

विकसित भारत के लिए विकसित महाराष्ट्र जरूरी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रविवार को कहा कि राज्य में ऐसी सरकार की जरूरत है, जिसकी विचारधारा केंद्र सरकार के समान हो। महाराष्ट्र उद्योग प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे में एक अग्रणी राज्य है।

विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए विकसित महाराष्ट्र अहम है।महाराष्ट्र में ऐसी सरकार की जरूरत है, जिसकी विचारधारा केंद्र सरकार के समान हो। राजग सरकार के तीसरे कार्यकाल में अर्थव्यवस्था और रोजगार पर ध्यान केंद्रित है।

महाराष्ट्र उद्योग प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे में अग्रणी राज्य

केंद्र सरकार के समान विचारधारा वाली सरकार बनाएं

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जयशंकर ने कहा कि राज्य में ऐसी सरकार की जरूरत है, जिसकी विचारधारा केंद्र सरकार के समान हो। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जयशंकर ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में केंद्र सरकार के समान राजग और भाजपा की सरकार की महती आवश्यकता है।

विपक्ष को लगाई फटकार, आरोपों को नकारा

सभी प्रोजेक्ट्स सिर्फ भाजपा शासित राज्यों में नहीं आए

विदेश मंत्री जयशंकर ने रविवार को कहा कि पिछले 10 सालों में सभी परियोजनाएं भाजपा शासित राज्यों में नहीं आई हैं। विदेश मंत्री ने निवेश को महाराष्ट्र से गुजरात ले जाने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि निवेशकों का अपना हिसाब-किताब होता है और वे ऐसी राज्य सरकार का चुनाव करेंगे जो सक्षम और कुशल हो। जयशंकर ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विपक्ष को खरी-खरी सुनाई। जयसंकर ने कहा कि भारत-पश्चिम एशिया आर्थिक गलियारा दुनिया में सबसे चर्चित कनेक्टिविटी गलियारा है और इसका मुख्य 'इंटरफेस' महाराष्ट्र में होगा।

आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा भारत

उन्होंने कहा कि जब हम आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की बात करते हैं, तो यह स्पष्ट है कि जब कोई कुछ करता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा। अब भारत इसे स्वीकार नहीं करेगा। हमें कार्रवाई करनी होगी तो हम करेंगे। इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

चक्रवात दाना से मची तबाही

ओडिशा में 35.95 लाख लोग प्रभावित, 5,840 घर हुए बर्बाद

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

चक्रवात 'दाना' और उसके बाद 14 जिलों में आई बाढ़ ने ओडिशा में खूब तबाही मचाई है। राज्य के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने रविवार को कहा कि दाना और बाढ़ के कारण 35.95 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

राहत वाली बात है कि चक्रवात से राज्य में कोई जनहानि नहीं हुई। पुजारी ने बताया कि चक्रवात और उसके बाद आई बाढ़ के कारण करीब 5,840 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। आपदा में अपने घर खो चुके लोगों को पॉलीथिन शीटें दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जब भी कोई आपदा आती है, लोग अपना घर खो देते हैं और उन्हें मुआवजा दिया जाता है। इस बार हम समस्या का स्थायी समाधान करते हुए चरणबद्ध तरीके से लोगों को पक्के घर मुहैया कराना चाहते हैं। सरकार चक्रवात और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कच्चे मकानों का सर्वेक्षण कराने की भी योजना बना रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)